गुरुज्ञान

किसी में इतनी कमियाँ भी मत निकालिए कि वो आपको अपनी जिंदगी से ही निकाल दे !!

त्रिपुरी टाइम्स

www.tripuritimes.com

tripuritimes@gmail.com

वर्ष 10 अंक 65

जबलपुर, गुरुवार 3 अप्रैल 2025

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

07

वक्फ में केवल मुसलमान ही रहेंगे: शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में स्पष्ट किया कि वक्फ विधेयक मुस्लिम मतावलंबियों से संबंधित है और वक्फ में किसी दूसरे धर्म के लोगों को शामिल करने की बात पूरी तरह भ्रामक है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक केवल इसलिये लाया गया है ताकि वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन पारदर्शी और नियम कायदे के अनुसार हो ओर उसका फायदा मुस्लिम समुदाय के गरीबों, महिलाओं और बच्चों को मिले। गृह मंत्री ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पर हो रही चर्चा में हस्तक्षेप करते हुये कहा कि चैरिटी कमिश्नर कानून के तहत किसी भी धर्म का व्यक्ति धर्मार्थ संस्थाओं के नियमन एवं निरीक्षण के लिये अधिकृत किया जा सकता है, उसी तरह वक्फ पर निगरानी के लिये बोर्ड में कलेक्टर और सदस्यों को शामिल करने का प्रावधान किया गया है जो किसी धर्म में हस्तक्षेप जैसा नहीं कहा जा सकता। गृह मंत्री ने कहा, वह स्पष्ट करना चाहते हैं कि मोदी सरकार के कार्यकाल में देश के किसी भी धर्म के किसी नागरिक को कोई आंच नहीं आयेगी। उन्होंने कांग्रेस और समूचे विपक्ष पर हमला करते हुये कहा, मोदी सरकार के बारे में भ्रम पैदा करने की कोशिश की जा रही है। मुसलमानों को डराकर अपने वोट बैंक को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में जातिवाद और साम्प्रदायिकता की राजनीति को दफना दिया और उन्हें जनता ने लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का जनादेश दिया है। उन्होंने कहा, वर्ष 2013 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार की ओर से

वक्फ कानून में लाये गये संशोधन में यदि गंभीर खामियां न होती, तो इस विधेयक को लाने की जरूरत ही नहीं पड़ती। उसी संशोधन की वजह से ही दिल्ली की लुटियन जोन की 123 अति महत्वपूर्ण संपत्तियों को वक्फ को हस्तांतरित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि 2013 में पूरे देश में वक्फ की जमीन 18 लाख एकड़ थी, उसके बाद इसमें 21 लाख एकड़ की वृद्धि हो गयी है। उन्होंने कहा कि इस संशोधन के बाद हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे विभिन्न राज्यों में गांव और मंदिरों और चर्चा की जमीन को वक्फ भूमि घोषित किया जाने लगा। यहां तक कि प्रयागराज के चंद्रशेखर आजाद पार्क को भी वक्फ की संपत्ति होने का दावा किया गया। उन्होंने कहा कि देश के कई गणमान्य चर्च इस वक्फ (संशोधन) विधेयक का समर्थन कर रहे हैं। वक्फ की संपत्तियों का संचालन गरीब, अनाथ और विधवा मुस्लिमों के लिये किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि वक्फ की लाखों करोड़ रुपये की सम्पत्ति की आमदनी मात्र 126 करोड़ रुपये ही है। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा जमाये बैठे चंद लोग उन्हें 100-100 साल की लीज पर होटलों और अन्य कामों के लिये औने-पौने दाम पर दूसरों को दे रहे हैं। श्री शाह ने कहा कि वक्फ का मुतव्वली वक्फ संपत्ति का प्रबंधक होता है, अगर कोई वक्फ की संपत्ति के साथ बेइमानी कर रहा है तो उसे कानून के अनुसार सजा नहीं होनी चाहिये। श्री शाह ने कहा कि वक्फ कानून में वर्ष 2013 में किये संशोधन के अनुसार वक्फ के मामलों को किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती, लेकिन इस संशोधन विधेयक में ऐसे प्रावधान हैं कि कोई चाहे तो वक्फ के निर्णयों को अदालतों में चुनौती दी जा सकती है। यह विधेयक पारदर्शी है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के प्रावधानों के अनुसार मुसलमान भी चैरिटेबल ट्रस्ट बना सकेंगे, वे इस ट्रस्ट के लिये पंजीकरण करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून और अनुच्छेद 370 हटाने के समय मुसलमानों को इसी तरह का डर दिखाया गया। अब फिर भ्रम फैलाकर मुस्लिमों को डराने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का स्पष्ट सिद्धांत है कि वह वोट बैंक के लिये कोई कानून नहीं लायेगी। कांग्रेस ने मुसलमानों को डरा-धमका कर शासन करने काम करती रही है। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्ति की दान की संपत्ति होती है और दान केवल अपनी संपत्ति का दिया जा सकता है, कोई संपत्ति किसकी है यह तय करने का काम केवल कलेक्टर ही करता है जो जिले का राजस्व अधिकारी होता है।

सीएम योगी ने कहा- राजनीति मेरे लिए फुलटाइम जॉब नहीं...अखिलेश का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ का कहना है कि राजनीति उनके लिए फुलटाइम जॉब नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेतृत्व ने मुझे यूपी की जनता के लिए काम करने की जिम्मेदारी सौंपी है। मैं असल में एक योगी हूं, राजनीति मेरे लिए फुलटाइम जॉब नहीं है। योगी की इस बात पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट लिखकर तंज कसा है। अखिलेश यादव ने लिखा- दरअसल उनको राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे पार्ट टाइम समझते हैं क्योंकि ह्यसच्ची राजनीति सेवा का क्षेत्रह्न होती है, जिसके लिए दिन के 24 घंटे और पूरा जीवन भी कम होता है। योगी इससे पहले भी कह चुके हैं कि वह पहले गोरक्षपीठ के महंत हैं और उसके बाद उन्हें सीएम की जिम्मेदारी मिली थी। उन्होंने अपनी सरकार के 8 साल पूरे

होने के मौके पर यह बात कही थी। वक्फ बिल को लेकर योगी ने कहा कि हर अच्छे काम का विरोध होता है। कोई एक काम भी वक्फ बोर्ड गिना सकता है क्या कि उसने समाज के कल्याण के लिए कोई काम किया है। ये सब व्यक्तिगत स्वार्थ के अड्डे बने हैं। सरकारी संपत्ति पर काबिज होने के ये जरिया बने हुए हैं। हर सुधार का विरोध होता है, लेकिन देश, काल और परिस्थिति के मुताबिक हमें बदलाव के लिए तैयार रहना चाहिए। इसका लाभ मुस्लिम समुदाय को होगा और कानून-व्यवस्था का जो संकट खड़ा है, उससे भी मुक्ति मिलेगी। हिंदू मठ और मंदिर तो गोशाला, कैंटीन, अस्तपाल चलाते हैं, वक्फ क्या कर रहा आप हिंदू मठ-मंदिरों को देखते हैं तो वे अपने सीमित संसाधनों से ही वेलफेयर के काम करते हैं। सरकारों से कोई सहयोग नहीं मिलता। फिर भी वे गोशाला, स्कूल, कैंटीन, मेडिकल कॉलेज और अस्पताल जैसे तमाम संस्थान चलाते हैं। गरीब बच्चों को स्कॉलरशिप देते हैं। किसी वक्फ बोर्ड ने आज तक कोई ऐसा काम किया है क्या। ये लोग जिस संपत्ति को भी कह देते हैं कि वह वक्फ की है, उसे उनका मान लिया जाता है।

पहले दो समन में पेश नहीं हुए कामरा को थमाया तीसरा समन

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर पैरोडी सॉन्ग मामले में कॉमेडियन कुणाल कामरा को पुलिस ने तीसरा समन भेजा है। उन्हें 5 अप्रैल को खार पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। इससे पहले पुलिस कामरा को 2 समन भेज चुकी है। इससे पहले 28 मार्च को हाईकोर्ट ने कामरा को 7 अप्रैल तक की अग्रिम जमानत दी थी। कामरा ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की। इसका शीर्षक थाझ एक कलाकार को खत्म करने की स्टेप-बाय-स्टेप गाइड। कामरा ने लिखा-आज के दौर में कलाकारों के पास दो ही विकल्प हैं झ या तो अपनी आत्मा बेचकर डॉलर की कठपुतली बन जाएं या फिर चुपचाप खत्म हो जाएं। इधर, मंगलवार को कुणाल कामरा मद्रास हाईकोर्ट में पेश हुए। उन्होंने दावा किया कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। इसलिए उन्हें ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी जाए। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुंदर मोहन ने कामरा को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे दी।

भूकंप कब और कितनी तीव्रता से आएगा, इसका पूवार्नुमान लगाना अभी संभव नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। धरती पर समय-समय पर भूकंप आते रहते हैं, लेकिन यह प्राकृतिक आपदा कब और कितनी तीव्रता से आएगी, इसका पूवार्नुमान लगाना अभी संभव नहीं हुआ है। भूकंप का मुख्य कारण पृथ्वी की टैक्टोनिक प्लेट्स का हिलना होता है। हमारी धरती चार परतों में बंटी हुई है इनर कोर, आउटर कोर, मैनटल और क्रस्ट। क्रस्ट और ऊपरी मैनटल को मिलाकर लिथोस्फेयर कहा जाता है, जो कई प्लेट्स में विभाजित है। ये प्लेट्स बहुत धीमी गति से हिलती रहती हैं, लेकिन जब ये आपस में टकराती हैं या अचानक खिसकती हैं, तब ऊर्जा निकलती है, जिसे हम भूकंप के रूप में महसूस करते हैं। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर मापी जाती है। अगर यह 3.0 से कम होता है, तब महसूस करना मुश्किल होता है, लेकिन 4.0 से 5.0 के भूकंप से खिड़कियां और दरवाजे हिल सकते हैं। 6.0 से 7.0 की तीव्रता वाले भूकंप से इमारतें गिर सकती हैं और जान-माल का नुकसान हो सकता है। 8.0 या उससे अधिक तीव्रता के भूकंप पूरी तरह से विनाशकारी होते हैं, जो पुलों, ऊंची इमारतों और सड़कों को तहस-नहस कर सकते हैं। अगर भूकंप समुद्र के अंदर आता है, तब इससे सुनामी भी आ सकती है, जो तटीय इलाकों में भारी तबाही मचा सकती है। बताया जाता हैं कि जानवरों को भूकंप का पहले से आभास हो जाता है। इतिहास में भी इसतरह के कई उदाहरण मिलते हैं, जहां भूकंप से पहले जानवर असामान्य व्यवहार करने लगते हैं। 373 ईसा पूर्व ग्रीस में आए भूकंप से पहले चूहे, सांप और कीड़े-मकोड़े अपने बिलों से बाहर

निकलकर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने लगे थे। वैज्ञानिकों ने इस विषय पर शोध कर पाया है कि कुछ जानवर भूकंप से पहले बेचैन हो जाते हैं, लेकिन यह सिद्ध नहीं हो पाया कि वे वास्तव में भूकंप की भविष्यवाणी कर सकते हैं। अब तक कोई वैज्ञानिक यह सटीक रूप से नहीं बता सका है कि भूकंप कब और कहां आएगा। अमेरिका के भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग के वैज्ञानिक केवल यह गणना कर सकते हैं कि किसी क्षेत्र में भूकंप आने की संभावना है, लेकिन इसकी सटीक तारीख, समय और तीव्रता का अनुमान लगाना संभव नहीं है। कुछ लोगों का मानना था कि मौसम का भी भूकंप से संबंध होता है, लेकिन वैज्ञानिकों ने इस धारणा को खारिज किया है। प्राचीन समय में अरस्तू ने कहा था कि जब हवाओं को आगे बढ़ने का रास्ता नहीं मिलता, तब वे दबाव बनाकर भूकंप ला सकती हैं, लेकिन आधुनिक शोधों ने अरस्तू की इस बात को गलत साबित किया है। भूकंप पूरी तरह से टैक्टोनिक गतिविधियों का परिणाम होते हैं और इनका मौसम से कोई लेना-देना नहीं है। भूकंप से बचाव के लिए मजबूत भवन निर्माण, जागरूकता और सतर्कता ही सबसे प्रभावी उपाय हैं।

गो तस्करों और सीआईए टीम के बीच हुई मुठभेड़, 2 तस्कर घायल, जवान को लगी गोली

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के नूंह जिले में 14 दिनों में तीसरी मुठभेड़ हुई है। मंगलवार को तावडू सीआईए की टीम और गो तस्करों के बीच गांव सीलखो पहाड़ के पास मुठभेड़ हो गई। इस दौरान तस्करों ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। इस मुठभेड़ में दो गो तस्कर, सलीम (पुत्र जुम्मे खां, निवासी पचगांव) और साजिद (पुत्र इसाक, निवासी नागलपुर) घायल हो गए। दोनों को शहीद हसन खां मेवाती मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तस्करों के कब्जे से दो अवैध बंदूकें, एक कारतूस, चार खाली कारतूस, एक मिस कारतूस, एक चाकू, एक कुल्हाड़ी, तीन गोवंश, एक मोटरसाइकिल और अन्य सामान बरामद किया है। नूंह पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस मुठभेड़ में जवाबी कार्रवाई के दौरान दो तस्कर घायल हुए हैं। यह जिले में 14 दिनों के भीतर गो तस्करों और पुलिस के बीच तीसरी मुठभेड़ है। इससे पहले 18 मार्च को तावडू सीमा के गांव गुरनावट में रेलवे ट्रैक के पास आडवाणी गैंग के तीन गो तस्कर पुलिस की मुठभेड़ में घायल हुए थे, जबकि तीन अन्य फरार हो गए थे। इसके बाद नूंह-सोहना सड़क पर नूंह सीआईए की टीम के साथ हुई मुठभेड़ में दो गो तस्कर भाग निकले थे। लगातार बढ़ रही इन घटनाओं ने क्षेत्र में गो तस्करी के खिलाफ पुलिस की सख्ती को उजागर किया है। जांच जारी है और पुलिस फरार संदिग्धों की तलाश में जुटी है। मुठभेड़ के दौरान तस्करों ने एक पुलिस जवान पर गोली चलाई, लेकिन जवान की बुलेटप्रूफ जैकेट ने उनकी जान बचा ली।

अदालतों के पास ब्याज दर तय करने का अधिकार, सुप्रीम कोर्ट ने कराया 52 साल लंबी कानूनी लड़ाई का खात्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि अदालतों को ब्याज दर तय करने और यह कब से देय होगा तय करने का अधिकार है। यह अधिकार हर मामले के तथ्यों पर निर्भर करता है कि ब्याज मुकदमा दायर करने की तारीख, या इससे पहले या डिक्री की तिथि से देय होगा। जस्टिस जेबी पाडीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने यह टिप्पणी 52 साल लंबी कानूनी लड़ाई का खात्मा करने के दौरान आदेश में की, जिसमें राजस्थान सरकार बनाम आइके मर्चेंट्स प्राइवेट लिमिटेड समेत निजी पक्षों के बीच राज्य सरकार को दिए गए शेयर के मूल्यांकन पर विवाद था। पीठ ने शेयरों के मूल्य को लेकर भुगतान में की गई देरी पर लागू ब्याज दरों को भी संशोधित किया। 32 पन्नों के फैसले में जस्टिस महादेवन ने कहा कि यह पूरी तरह साफ है कि अदालतों के पास कानून के अनुसार सभी तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करते हुए उचित ब्याज दर निर्धारित करने का अधिकार है। निजी फर्म ने कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील दायर की थी, जिसमें मेसर्स रे एंड रे द्वारा शेयरों के 640 रुपये प्रति शेयर की कीमत को बरकरार रखते हुए पांच प्रतिशत प्रति वर्ष का साधारण ब्याज दर प्रदान किया था। निजी फर्म ने ब्याज में बढ़ोतरी की मांग की, तो राज्य सरकार ने कीमत को

चुनौती दी। 1973 के इस विवाद में राजस्थान राज्य खान और खनिज लिमिटेड के शेयर अपीलकताओं द्वारा राज्य को हस्तांतरित किए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने भुगतान में देरी पर विचार किया और आदेश दिया कि अपीलकर्ता ब्याज के रूप में उचित मुआवजे के हकदार हैं। कोर्ट ने 8 जुलाई 1975 से डिक्री की तारीख तक छह प्रतिशत साधारण ब्याज देने का आदेश दिया। इसने आगे कहा कि भुगतान प्राप्ति तक डिक्री तिथि से नौ प्रतिशत प्रतिवर्ष साधारण ब्याज का भुगतान किया जाएगा। राजस्थान सरकार दो महीने के भीतर बढ़ी हुई मूल्यांकन राशि का भुगतान करे। सुप्रीम कोर्ट ने प्रयागराज में बिना उचित प्रक्रिया का पालन किए घरों को गिराने की कार्रवाई पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे अमानवीय और गैरकानूनी करार दिया है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि इस प्रकार की बुलडोजर कार्रवाई ने हमारे आत्मा को झकझोर दिया है। विकास प्राधिकरणों को याद रखना चाहिए कि आश्रय का अधिकार और कानून की उचित प्रक्रिया भी कोई चीज होती है।

पति पत्नी के झगड़े में दोनों बच्चों और पत्नी को उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली, एजेंसी। पति पत्नी के झगड़े में पति ने अपने ही दोनों बच्चों और पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। 9 साल की बेटी की पहले आंखें फोड़ीं फिर हत्या कर शव को फेक दिया। इसी तरह बेटा और पत्नी को भी मार डाला।लोकाय नयनपुर थाना क्षेत्र के बरदौनी गांव में पुलिस ने मृत महिला के पति चारो हेंब्रम और ससुर तालो हेंब्रम को हिरासत में लिया है। इस घटना को लेकर पुलिस ने जो खुलासा किया है, वो रूह कंपा देने वाला है। मृतकों में बरदौनी गांव के चारो हेंब्रम की पत्नी रेणुआ टुडू (30 साल), बेटी सरिता हेंब्रम 9 साल और बेटा सतीश हेंब्रम की उम्र मात्र 6 साल थी। तीनों को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया गया। लोकाय नयनपुर थाना प्रभारी अमित कुमार चौधरी और थानसिंहडीह ओपी प्रभारी नीरज कुमार घटनास्थल पहुंचे और मां और बेटे के शव को फंदे से उतारा। चारो के पिता के बताने पर बेटी के शव को तालाब से निकाला गया। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में ले लिया है। मृत महिला के पति चारो हेंब्रम ने कहा कि पत्नी को गांव के एक युवक के साथ सोमवार की रात को देखा था। इस कारण पत्नी के साथ मारपीट की थी। इसके बाद पत्नी दोनों बच्चों को लेकर रात में ही घर से निकल कर कहीं चली गई थी। इसके बाद पत्नी और बेटे की निर्मम हत्या कर पनियाय गांव के तालाब स्थित एक पेड़ पर शव को फंदे से लटका कर आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया गया। वहीं उनकी पुत्री सरिता हेंब्रम की पहले दोनों आंखें फोड़ी गई। इसके बाद उसकी बेरहमी से हत्या करके उसके शव को तालाब में फेंक दिया गया। मंगलवार की सुबह गांव के ही लोगों ने मां और बेटे के शव को पेड़ में फंदे पर लटका हुआ देखा। ग्रामीणों ने चारो हेंब्रम पर हत्या का आरोप लगाया है।

हाईकोर्ट में नए जज साहब के आते ही हड़कंप, वकीलों ने सुनवाई में आने से किया इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट से स्थानांतरित होकर कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचे जस्टिस दिनेश कुमार शर्मा को लेकर घमासान मचा हुआ है। विवाद इतना बढ़ा कि वकीलों ने उनकी कोर्ट में होने वाली सुनवाई में नहीं जाने का फैसला किया है। सीजेआई को पत्र लिखे जाने के बाद अब तीन वकील संगठनों ने फैसला किया है कि वे जस्टिस शर्मा की अदालत में हो रही सुनवाई में शामिल नहीं होंगे। केंद्र सरकार ने मंगलवार को ही जस्टिस शर्मा के ट्रांसफर की अधिसूचना जारी की है। कलकत्ता हाईकोर्ट के तीन वकील संगठनों ने जस्टिस शर्मा की सुनवाई में नहीं जाने का फैसला किया है। इससे पहले वकीलों ने सीजेआई संजीव खन्ना को 28 पत्र लिखकर जस्टिस शर्मा के तबादले का विरोध किया था। पत्र के जरिए फैसले पर दोबारा विचार करने और इसे वापस लेने का अनुरोध किया गया था। कुछ दिनों पहले ही सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस शर्मा के ट्रांसफर की सिफारिश की थी। 28 मार्च को इनकॉर्पोरेटेड लॉ सोसाइटी ऑफ कलकत्ता, बार एसोसिएशन ऑफ हाईकोर्ट और बार लाइब्रेरी क्लब हाईकोर्ट ने सीजेआई खन्ना को पत्र लिखा था, जिसमें जस्टिस शर्मा के ट्रांसफर के फैसले पर आपत्ति जताई गई थी। संगठनों ने लिखा था, हमारे पास यह मानने के कई कारण हैं कि यह तबादला कुछ आरोपों के कारण हुआ है, जो जज के काम करने के तरीकों से जुड़े हुए हैं। हम अक्टूबर 2024 से दिल्ली हाईकोर्ट में उनके कार्यकाल के दौरान उनके खिलाफ लगे गंभीर शिकायतों से परिचित हैं। जस्टिस शर्मा ने हाल ही में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्रों के निलंबर आदेशों पर रोक लगा दी थी।

अप्रैल के आते ही पूरे देश में गर्मी का पारा चढ़ने लगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अप्रैल के आते ही पूरे देश में गर्मी का पारा चढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा। उत्तर भारत में जहां तेज धूप और लू चलने की संभावना है, वहीं दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में हल्की बारिश की उम्मीद है। राजधानी दिल्ली में पारा 40 डिग्री के करीब पहुंच गया है, जबकि राजस्थान के कुछ इलाकों में यह 42 डिग्री तक दर्ज हुआ है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में लू चलने की चेतावनी दी है। वहीं दक्षिण भारत के तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश के आसार हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के चलते यहां बादल छाए रह सकते हैं और कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इससे तापमान में कुछ गिरावट आएगी और लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत में हल्की बारिश की संभावना बंगाल, ओडिशा, असम, मेघालय और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में बादल छाए रह सकते हैं और हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, इन इलाकों में अगले दो-तीन

दिनों तक बारिश जारी रह सकती है, जिससे तापमान में मामूली गिरावट आ सकती है। वहीं मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी गर्मी बढ़ने लगी है। भोपाल, इंदौर, रायपुर और ग्वालियर जैसे शहरों में तापमान 38-41 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ है। यहां भी अगले कुछ दिनों में लू चलने की संभावना है। पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भी तापमान सामान्य से ऊपर जा रहा है। हालांकि, ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम सुहावना बना हुआ है, लेकिन मैदानी हिस्सों में गर्मी ने अपनी पकड़ बना ली है।

प्रधानमंत्री मोदी के विकास के मॉडल पर हो रहा मध्यप्रदेश में क्रियान्वयन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उद्योगों और अन्य क्षेत्रों में तीव्र विकास हो रहा है। उद्योगपति सरकारों और समाज के लिए सहयोगी हैं। वे लाखों परिवारों को रोटी, कपड़ा और मकान उपलब्ध करवाते हैं। उद्योगपतियों के योगदान को सम्मान देने के लिए समाचार संस्थान ने इंडस्ट्री एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान कर सराहनीय कार्य किया है। अवार्ड सेरेमनी में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का उद्योग जगत द्वारा सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में विकास के विक्रेंद्रीकृत मॉडल को अपनाते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे परिणाम लाने के लिये बेहतर वातावरण निर्मित हुआ है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में उद्योगों की स्थापना और इनके माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योगपति आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने में आज पूर्ण सहयोग प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को विभिन्न राष्ट्रों से जो सम्मान मिल रहा है, वह अद्वितीय हैं। रूस और यूक्रेन भले ही परस्पर लड़ते रहे, लेकिन दोनों देशों ने प्रधानमंत्री मोदी के आग्रह को मानते हुए भारत और अन्य देशों के विद्यार्थियों को संकट से निकालने में सहयोग दिया।

जीवन मूल्यों के साथ विकास और परमार्थ के कार्यों को पूर्ण प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योगों से राष्ट्र की प्रगति का कार्य हो रहा है। सरकारों का कार्य सिर्फ कानून व्यवस्था संभालना और बिजली, पानी की व्यवस्था करना नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों के साथ विकास और परमार्थ के कार्यों को प्रोत्साहित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जीआईएस का आयोजन अत्यंत सफल रहा। जीआईएस से सकारात्मक वातावरण बना। प्रदेश की लगभग 9 करोड़ आबादी की बेहतरी के लिए राज्य सरकार प्रोत्साहनकारी भूमिका का निर्वहन कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीते साल हमने 5 हजार 260 करोड़ की उद्योग निवेश सब्सिडी राशि पूरी पारदर्शिता के साथ डीबीटी के जरिए निवेशकों के खातों में हस्तांतरित की। अब गत वर्ष का कोई भुगतान लंबित नहीं है। वृहद और छोटे उद्योग सभी लाभान्वित हुए हैं। राज्य सरकार ने वचनबद्धतापूर्वक यह कार्य किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जीआईएस सिर्फ एक इवेंट नहीं था, बल्कि राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का परिचायक आयोजन भी था।

उद्योगपतियों ने किया मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का उद्योग हितैषी नीतियों को लागू करने, मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के सफलतम आयोजन के माध्यम से 30.77 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों पर क्रियान्वयन और नवाचारों से सुशासन आधारित व्यवस्था को मजबूत बनाने पर उद्योग जगत की ओर से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग राघवेन्द्र कुमार सिंह और आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में सीओओ सुमित मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का नेतृत्व ऐसा है जो असंभव कार्यों को संभव बनाता है। प्रदेश में ईज ऑफ डूईंग बिजनेस और व्यवस्थाओं में पारदर्शिता लागू कर उद्योगपतियों को आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश में सहयोगी बनाया गया है।

इन्हें मिले इंडस्ट्री एक्सीलेंस अवार्ड

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय स्टेट बैंक के चीफ जनरल मैनेजर चंद्रशेखर शर्मा को सम्मानित करने के अलावा जिन उद्योगपतियों को इंडस्ट्री एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान किए उनमें एचईजी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मनीष गुलाटी, आयनेक्स के अनिल खेमसारा, दावत राइस के राजेंद्र, प्रिज्म सीमेंट के राजेंद्र संचेती, बालाजी पैकेजिंग ग्रुप के विकास मूंदड़ा, महाकौशल शुगर एंड पॉवर इंडस्ट्री के नवाब राजा, उदीप सोशल वेलफेयर ग्रुप की सुपूनम श्रोती, गोयल पैंट के श्याम वैभव गोयल, आईसीसी इंफ्रा के आरिफ जाफरा मंसूरी, आनंदन इंडस्ट्री के अशोक आनंद, एमके इंडस्ट्रीज के मनोज जैन, समरकूल इलेक्ट्रिकल्स एंड होम अप्लायंस के आशुतोष तनुज गुप्ता, आरआरजी इलेक्ट्रिकल के रंगाराव, भंवरदीप कॉपर के आदित्य आकाश बाफना, जेके स्टोन के जितेन्द्र जैन, सुआभा जैन, बालाजी कापोर्रेशन के त्रिलोकी अग्रवाल, स्कायलार्क प्रोटीन्स के जितेंद्र, नरेंद्र ट्रेडिंग कंपनी के प्रमोद वर्मा, अलीशा फूड्स लिमिटेड के एहसान, तिरूपति इंफ्रा के दिलीप परयानी, ओटा इलेक्ट्रिकल सर्जिकल इक्विपमेंट के भूपेंद्र, संजय प्रसाद अग्रवाल, पुनीत खुराना, संदीप पाटीदार, सुनील लड्ढा, विशाल अनिल जोशी, मनीष शाह शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी का जताया आभार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को 4 सड़क परियोजनाओं की मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में प्रदेश को सड़क अधोसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से मध्यप्रदेश को सड़क अधोसंरचना निर्माण और क्षेत्रीय विकास में एक बड़ी सौगात दी गई है। उन्होंने कहा कि ये सड़कें प्रदेश के विभिन्न हिस्सों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी और औद्योगिक एवं व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देंगी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को मध्यप्रदेश के लिए 4 महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं की कुल लागत 4302.93 करोड़ रुपये है। उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर मध्यप्रदेश को मंजूर की गई इन परियोजनाओं की जानकारी साझा की है। केन्द्र सरकार के इस अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा जताई है कि ये सड़क परियोजनाएं प्रदेश में यातायात व्यवस्था को सहज एवं सुगम बनाने के साथ आर्थिक विकास को गति देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि देश में सड़क अधोसंरचना नेटवर्क को दिनों-दिन मजबूत किया जा रहा है और मध्यप्रदेश को भी इसका भरपूर लाभ मिल रहा है।

केन्द्र सरकार द्वारा मध्यप्रदेश के लिए स्वीकृत की गई सड़क परियोजनाएं

भोपाल जिले में संदलपुर से नसरुल्लागंज बायपास तक (राष्ट्रीय राजमार्ग-146बी) के 43.200 किमी खंड को 4-लेन में बदलने के लिए 1535.66 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। विदिशा और सागर जिले में राहतगढ़ से बेरखेड़ी तक (राष्ट्रीय राजमार्ग-146) के 10.079 किमी हिस्से को 4 लेन बनाने के लिए 731.36 करोड़ रुपये मंजूरी दी गई है। सागर जिले में लहदरा गांव जंक्शन से बेरखेड़ी गुरु गांव जंक्शन तक (राष्ट्रीय राजमार्ग-146 से राष्ट्रीय राजमार्ग-44) ग्रीनफील्ड 4-लेन सागर पश्चिमी बायपास (20.193 किमी) के निर्माण के लिए 688.31 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। ग्वालियर शहर के पश्चिमी हिस्से में 28.516 किमी लंबाई के एक्सेस कंट्रोल्ड 4-लेन बायपास के निर्माण के लिए केंद्र सरकार ने 1347.6 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है।

अगले तीन वर्ष में प्रदेश की सभी बसाहटों को सड़कों से जोड़ा जाए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के सुगम आवागमन और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए प्रदेश की शत-प्रतिशत बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए समय-सीमा निर्धारित कर कार्रवाई करें। सभी जिलों में सड़कों की आवश्यकता का वैज्ञानिक आधार पर सर्वे सुनिश्चित कर कार्य-योजना बनाई जाए। सड़कों की आवश्यकता के संबंध में विधायकों और पंचायत प्रतिनिधियों का अभिमत अवश्य लिया जाए। राज्य सरकार अगले तीन वर्ष में सभी बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रह्लाद पटेल, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिवृष्टि, बाढ़ तथा अन्य कारणों से क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत और उनके उन्नयन की आवश्यकता के प्रति सतर्क रहते हुए तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जाए। सड़कों के रख-रखाव और नियमित निरीक्षण में मोबाइल एप, जियो टैगिंग तथा एआई टेक्नॉलोजी का उपयोग कर इसे अधिक प्रभावी बनाया जाए। सड़कों पर वर्तमान यातायात का सर्वे कर उन्नयन और लेन विस्तारीकरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत पाण्डाटोला से बीजाटोला तक देश की पहली सड़क का निर्माण बालाघाट जिले के परसवाड़ा क्षेत्र में किया गया है। सड़कों के संधारण और उन्नयन के लिए भारत सरकार से प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने में प्रदेश, देश में प्रथम रहा है। प्रदेश में मार्गों के संधारण के लिए वर्ष 2015-16 से लागू ई-मार्ग पोर्टल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई तथा केन्द्र सरकार द्वारा इसे सम्पूर्ण देश में नेशनल ई-मार्ग के रूप में लागू किया गया है। बताया गया कि प्रदेश की 89 हजार बसाहटों में से 50 हजार 658 बसाहटों तक रोड़ कनेक्टिविटी सुनिश्चित कर ली गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4 के अंतर्गत बनने वाली 11 हजार 544 बसाहटों के लिए सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष 26 हजार 798 बसाहटों की कनेक्टिविटी के लिए राज्य सरकार द्वारा पहल की जा रही है। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि सामान्य संधारण कार्यों का प्राक्कलन तैयार करने और तकनीकी प्रशासकीय स्वीकृति आदि की ऑनलाइन व्यवस्था सम्वेग पोर्टल के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है।

मध्यप्रदेश को नक्सलवाद मुक्त करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की धरती को नक्सल गतिविधियों से मुक्त करने के लिए राज्य पुलिस बल का अभियान तेजी से जारी है। उन्होंने कहा कि मंडला जिले में नक्सली गतिविधियों में संलिप्तों के साथ हुई मुठभेड़ में हमारे हॉकफोर्स के जवानों ने 14-14 लाख रुपए की इनामी 2 महिला नक्सली को मार गिराया है। मृतक नक्सली की शिनाख्त प्रतिमा और ममता नाम से हुई है। इनके कब्जे से हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद भी जब्त किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मीडिया को दिये संदेश में नक्सलवाद के खात्मे पर पुलिस जवानों का हौसला बढ़ाया और उन्हें बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हिंसक गतिविधियों के खिलाफ राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति पर प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में नक्सलवाद का जड़ से सफाया करने के लिए चलाए जा रहे अभियान में हमारे जवान पूरी सक्रियता के साथ कार्रवाई कर रहे हैं। मध्यप्रदेश की पावन धरा में नक्सलियों के लिए कोई स्थान नहीं है। हमारा यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि बीते एक साल में मध्यप्रदेश में 10 से ज्यादा नक्सलवादी मारे जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि रतलाम जिले में स्पेशल पुलिस फोर्स द्वारा फिरोज नामक एक वांछित आतंकी की गिरफ्तारी की गई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर रही है।

प्रदेश सरकार किसानों की सरकार है : मंत्री श्रीमती उइके

8 करोड़ के संयुक्त तहसील भवन का किया लोकार्पण

भोपाल। प्रदेश सरकार किसानों की सरकार है। किसानों के हितार्थ कई योजनाएं संचालित कर उन्हें लाभ प्रदान किया जा रहा है। वहीं, उनकी खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए सरकार दृढ़ संकल्पित है। यह बात लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं सिंगरौली जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने संयुक्त तहसील दुधमनिया में 8 करोड़ की लागत से निर्मित भवन के लोकार्पण अवसर पर कही। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह भी उपस्थित थीं। मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि इस संयुक्त भवन के निर्माण से अब 65 गांवों के लोगों को लाभ प्राप्त होगा। प्रदेश सरकार द्वारा किसानों एवं आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिये साइबर तहसील, लोक सेवा गारंटी लागू कर त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जहां गरीबों के लिए आवास स्वीकृत किए जा रहे हैं ,वहीं किसानों के लिए सम्मान निधि प्रदान की जा रही है। मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि महिलाओं के सम्मान को बढ़ाने के लिए ह्यलाड़ली बहना योजनाह्न चलाई जा रही है, जिसके माध्यम से आर्थिक सहायता देकर महिलाओं का सशक्तिकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में क्षेत्र के विकास के लिए कॉलेज एवं अस्पताल खोले जाएंगे। सरकार प्रवेश उत्सव के माध्यम से बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। 1 अप्रैल से 4 अप्रैल तक ह्यस्कूल चले हमह्न अभियान चलाया जा रहा है। हमें बेटा-बेटी के बीच का अंतर समाप्त करना है और बेटियों को भी बेटों की तरह शिक्षा का अधिकार देना है। कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए सभी अपने बच्चों का विद्यालय में प्रवेश दिलाएं। राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार आदिवासी बहुल्य क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए सतत प्रयासरत है। विकास के कई कार्य संचालित होंगे। साथ ही, किसानों एवं नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए कई योजनाएं और सुविधाएं दी जा रही हैं। आने वाले समय में दुधमनिया में भी महाविद्यालय प्रारंभ कराने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक सिंगरौली राम निवास शाह, विधायक देवसर राजेंद्र मेश्राम, विधायक धौहनी कुवर सिंह टेकाम, विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक, महापौर श्रीमती रानी अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष सोनम सिंह, प्राधिकरण अध्यक्ष दिलीप शाह, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय, सुंदरलाल शाह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अर्चना सिंह, पूर्व विधायक अमर सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष सिया दुलारी सहित वरिष्ठ समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने की मंत्रालय में समस्त विभागों की समीक्षा

भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने बुधवार को मंत्रालय में, वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभागीय योजनाओं की लक्ष्य पूर्ति की समीक्षा एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 के लक्ष्य निर्धारण को लेकर सभी विभागों की समीक्षा की। मुख्य सचिव जैन ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में सभी विभागों की विभागीय योजनाओं की लक्ष्य पूर्ति की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आवश्यक क्रियान्वयन समयपूर्वक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव जैन ने बैठक में विजन @2047 के अंतर्गत विभागीय कार्य योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। शासन के महत्वाकांक्षी "गरीब, अन्नदाता, युवा एवं नारी" मिशन के क्रियान्वयन से संबंधित कार्य योजना पर भी व्यापक चर्चा हुई। मुख्य सचिव जैन ने संकल्प पत्र में सभी विभागों से जुड़े समस्त संबंधित बिंदुओं पर चर्चा कर, उनके पालन की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्राथमिकता वालें विषयों के क्रियान्वयन समय-सीमा में सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए, केन्द्र सरकार को भेजे जाने वाले उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं मांग स्थिति की भी जानकारी ली। जनशिकायत निवारण, अंतर्विभागीय एवं विधानसभा से जुड़े विभिन्न विषयों पर बिंदुवार चर्चा हुई। मुख्य सचिव जैन ने लंबित सीएस मॉनिट, भारत सरकार से प्राप्त अर्द्धशासकीय पत्रों की समीक्षा, पेपर कटिंग, सीएम हेल्पलाईन, ई-ऑफिस, सीपी ग्राम, विधानसभा प्रश्न एवं आश्वासन सहित कैग रिपोर्ट से संबंधित विभागीय बिंदुओं पर व्यापक चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित अंतर्विभागीय समितियों की बैठक की स्थिति की जानकारी लेकर आवश्यक क्रियान्वयन के लिए भी निर्देशित किया। बैठक में मानव संसाधनों से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर भी विस्तृत चर्चा हुई, इसके अंतर्गत भर्ती, प्रशिक्षण (मिशन कर्मयोगी) एवं न्यायालयीन प्रकरणों के निराकरण को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के निर्धारित लक्ष्यों की समयपूर्वक प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी विभाग सतत क्रियान्वयन करें एवं समय-समय पर क्रियान्वयन की समीक्षा भी सुनिश्चित करें। बैठक में समस्त अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव एवं समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

पराली जलने से वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिये बनायें समेकित राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय कार्य-योजना : प्रमुख सचिव डॉ. कोठारी

भोपाल। प्रमुख सचिव पर्यावरण डॉ. नवनीत मोहन कोठारी की अध्यक्षता में पराली जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिये भोपाल में समेकित राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय बैठक हुई। बैठक में किसान कल्याण तथा कृषि विकास, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, उद्योग, उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, राजस्व, उद्यानिकी विभाग और मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में धान एवं गेहूँ की कटाई के बाद जलने वाली पराली से होने वाले वायु प्रदूषण एवं उनसे पड़ने वाले स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव की रोकथाम के लिये प्रभावी कार्रवाई करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। प्रमुख सचिव डॉ. कोठारी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पराली जलाने की घटनाओं को रोकने तथा वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं। प्रमुख सचिव डॉ. कोठारी ने कहा कि कृषि विभाग द्वारा गेहूँ की फसल की कटाई में उपयोग होने वाली मशीनों में रिपर/बेलर लगाना अनिवार्य किया जाये। उन्होंने कहा कि पराली के वैकल्पिक उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिये प्रदेश में स्थापित ताप विद्युत गृहों के अधिकारियों के साथ बैठक कर कृषि अवशेषों का दहन करने की कार्रवाई की जाये। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में कितनी मात्रा में कृषि अवशेषों का निष्पादन किया गया है तथा इस वर्ष की कार्य-योजना बनायी जाये। प्रमुख सचिव डॉ. कोठारी ने कहा कि सभी संबंधित विभाग व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से प्रदेश के किसानों को पराली जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में अवगत कराएं। उन्होंने पराली जलाने के स्थान पर उपलब्ध विकल्प और शासन द्वारा दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि की जानकारी प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया और स्थानीय केबल नेटवर्क के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध कराये जाने के निर्देश भी दिये।

मंत्री श्री सिंह ने चौपाल कर सुनी लोगों की समस्यायें

विकास के कार्य समृद्धि के आधार होते हैं-मंत्री श्री सिंह

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने आज पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में महाराणा प्रताप वार्ड के नव निवेश कॉलोनी और इंदिरा गांधी वार्ड के नारायण नगर पार्क में चौपाल कर विकास कार्यों की जानकारी दी। साथ ही लोगों की समस्याओं को सुना और उनके समुचित निराकरण करने के निर्देश दिये। मंत्री सिंह से लोगों ने ज्यादातर बिजली, पानी, सड़क, नाली व साफ-सफाई सुनिश्चितता करने का आग्रह किया। मंत्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिये कि जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाये। उन्होंने क्षेत्र में पानी की सुनिश्चितता को लेकर प्राथमिकता से कार्य करेंगे।

मंत्री सिंह ने कहा कि वे जबलपुर की जनता के ऋणी व अभारी हैं। जिन्होंने 20 वर्ष तक सांसद तथा इस बार विधानसभा में भेजने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि हर जन प्रतिनिधि का कर्तव्य है कि वे विकास कार्य के माध्यम से जनता का ऋण उतारे। साथ ही कहा कि उन्हें विकास कार्य के माध्यम से ही अब जबलपुर की जनता का ऋण उतारने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार से उन्हें लोक निर्माण विभाग का दायित्व मिला और जिस दिन से वे लोक निर्माण विभाग संभाले हैं उसी दिन से उनका ध्येय वाक्य लोक निर्माण से लोक कल्याण है। मंत्री सिंह ने कहा कि अब विकास कार्यों में जबलपुर उपेक्षा नहीं होगी। उन्होंने जबलपुर के विकास के लिये किये गये कार्यों की विस्तार से जानकारी देते हुये कहा कि जबलपुर को बड़ा गांव से महानगर की ओर ले जाने के लिए कई ऐतिहासिक कार्य किये हैं। आज मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा फ्लाई ओव्हर जिसकी लागत 11 हजार करोड़ है, जबलपुर में है, जो पूर्णता की ओर है। 4 हजार 500 करोड़ की लागत से 117 किलोमीटर की रिंग रोड बन रही है, जिसमें दो लॉजिस्टिक पार्क व नर्मदा में दो आईकॉनिक ब्रिज होंगे। देश का पहला जियोलॉजिकल पार्क भी बनेगा। 450 करोड़ रुपए की लागत से एयरपोर्ट का आधुनिकीकरण हुआ, वहीं 300 करोड़ की लागत से आधुनिकतम रेल्वे स्टेशन भी बनेगा। उन्होंने कहा कि विकास की प्रक्रिया चलते रहना चाहिए। अब तेजी से विकास हो रहा है। इस वर्ष बजट में जबलपुर के विकास के लिए 3200 करोड़ रुपए स्वीकृत किये गये हैं। इससे जबलपुर व महाकौशल की समृद्धि व विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। बिना सड़कों के समृद्धि की कल्पना नहीं की जा सकती, बेहतर भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती। इसलिए सड़कों के विस्तार व सुदृढ़ीकरण पर विशेष कार्य किया जा रहा है। आने वाले समय में जबलपुर में 6 फ्लाईओव्हर बनेंगे। इसके साथ ही उन्होंने जबलपुर के विकास के लिए किये गये व स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि आने वाले समय में जबलपुर की पहचान एक महानगर के रूप में होगी, जिसकी चर्चा हर जगह होगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को लेकर किसी प्रकार की कोई समझौता नहीं किया जायेगा। गड़बड़ी करने वालों पर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। ग्वारीघाट आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए ग्वारीघाट मुक्तिधाम से तिलहरी मार्ग तक 32 करोड़ की लागत से सड़क का निर्माण किया जायेगा। बंदरिया तिराहा से महानद्दा रोड़ तक लगभग 11 करोड़ की लागत से व्हाईट टॉपिंग का भूमिपूजन विगत दिन किया गया। मंत्री सिंह ने कहा कि इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न स्वीकृत व प्रस्तावित कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि आने वाले समय में गौरीघाट, भटौली, जिलहरी घाट, तिलवारा घाट को सरयू की घाट की तर्ज पर विकसित किया जायेगा। साथ ही रोप-वे की कार्ययोजनाओं पर प्रकाश डाला। मंत्री सिंह ने कहा कि यह सब विकास कार्य क्षेत्र की जनता को समर्पित होंगे और जबलपुर एक महानगर के रूप में सामने होगा। मंत्री सिंह ने कहा कि लोकपथ एप के माध्यम से सात दिन के भीतर सड़क के गड्ढ़े ठीक किये जा रहे हैं। एप की लोकप्रियता का जिक्र केबीसी में विख्यात कलाकार अमिताभ बच्चन ने भी किया था। उन्होंने चौपाल को संबोधित करते हुये कहा कि ऐसी मान्यता है कि चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन ही सृष्टि की उत्पत्ति हुई थी और इसी दिन से नया भारतीय वर्ष प्रारंभ होता है। चैत्र नवरात्रि व भारतीय नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुये कहा कि विकास के लिये जो-जो कार्य आवश्यक है सभी किये जायेंगे। साथ ही कहा कि पहले जितना काम दस वर्ष में होता था उतना काम एक वर्ष में हो रहा है। नव निवेश कॉलोनी में चौपाल के दौरान उन्होंने कहा कि धनवंतरी नगर चौक से मुख्य सड़क तक 1 करोड 8 लाख के सीसी सड़क निर्माण कार्य और पिशनहारी की मढ़िया से आईटाइप गढ़ा पुरवा मार्ग तक 3.74 करोड़ के कार्य पूरे हो चुके हैं। 53 लाख से भूकम्प कॉलोनी में सामुदायिक भवन, 28 लाख से सीओडी कॉलोनी, ब्रम्हकुमारी आश्रम के सामने सीसी रोड राम बाजपेयी के निवास से यश किराना तक 18.63 लाख से सीसी रोड का निर्माण, एसएन शुक्ला के मकान से नायक जी के मकान तक 13.65 लाख की लागत से नाली निर्माण, लाल बिल्डिंग दूसरी लाईन से तिवारी के मकान तक 13.29 लाख से सीसी मार्ग का निर्माण, प्राथमिक शाला परसवाड़ा में 6 लाख की लागत से समतलीकरण व नाली निर्माण, नव निवेश कॉलोनी में शैलेन्द्र विश्वकर्मा के मकान तक 12.38 लाख से शेड निर्माण, 13 लाख की लागत से शांति नगर से खेला प्रजापति के मकान तक रंगमंच निर्माण कार्य स्वीकृत किये जा चुके हैं। इसके साथ ही अन्य बहुत से विकास कार्य स्वीकृत हो चुके हैं। महाराणा प्रताप वार्ड में अभी तक 31 करोड़ के काम हो चुके हैं। उन्होंने नव निवेश कॉलोनी के उद्यान जो कि 45.40 लाख की लागत से बनकर तैयार हुआ है उसका भूमिपूजन भी किया। इंदिरा गांधी वार्ड में नारायण नगर पार्क पर जन चौपाल करते हुए मंत्री सिंह ने वहां भी वार्ड में विकास कार्यों की जानकारी देने के साथ-साथ जबलपुर को विकसित शहर बनाने की दिशा में किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। और कहा कि क्षेत्र में जल प्लावन की समस्याओं को दूर करने के लिए सार्थक उपाय किये जा रहे है। लगातार विकास के कार्य हो रहे हैं और यह विकास के कार्य समृद्धि के आधार होते हैं। जिससे स्थानीय लोगों को भी रोजगार सुनिश्चित होता है। इंदिरा गांधी वार्ड में अभी तक 30 करोड़ के काम हो चुके हैं। मंत्री सिंह जन चौपाल के बाद गुलौआ चौक पर निषादराज जी की जयंती के अवसर पर शोभा यात्रा में भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान अभय सिंह, पंकज दुबे, शैलेन्द्र विश्वकर्मा, जीतू कटारे, रविन्द्र पचौरी, अतुल चौरसिया सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक तथा बड़ी तादाद में आमजन उपस्थित थे।

41 आयुध निर्माणियों में चल रहा AIANGO का विरोध कार्यक्रम प्रदर्शन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ नान गैजेट्स ऑफिसर का केडर से संबंधित विभिन्न मांगों को लेकर 01 अप्रैल से शांतिपूर्ण विरोध कार्यक्रम प्रारंभ हो चुका है। यह विरोध कार्यक्रम भारत की समस्त 41 आयुध निमार्णीयो शांतिपूर्ण तरीके से 11 अप्रैल तक चलेगा। इस कार्यक्रम को सीडीआरए से संबंधित सुपर वाईजर एसोसिएशन और क्लरिकल एसोसिएशन का समर्थन मिल चुका। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से एन पी एस और यू पी एस के विरोध में एवं प्रसार भारती माडल की तरह आयुध निमार्णी के कर्मचारियों के लिए उनकी सेवा निवृत्ति तक डेपुटेशन के लिए गैजेट् नोटिफिकेशन करने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। ए आई एन जी ओ ने केडर से संबंधित मांगों जैसे, जे डब्ल्यू एम से ए डब्ल्यू एम प्रमोशन, जे डब्ल्यू एम एल डी सी ई एस जी, केडर की कुछ श्रेणियों मे स्थिरता आदि विभिन्न मांगों को अत्यंत ही गंभीर बताया है, जिससे आज 41 आयुध निमार्णी का ग्रुप बी केडर प्रभावित हो रहा है। इन्हीं सभी मांगों को लेकर 11 अप्रैल को अक्अठऋड की इकाई 41 आयुध निमार्णी में अपने महाप्रबंधक के माध्यम से रक्षा सचिव को एक ज्ञापन सौंपेंगे। एसोसिएशन के आशीष सहाय, राजेन्द्र असाटी, शरद बोरकर, अजय रजक, मनीष चौरसिया, संजय शॉ, मुकेश बट्टी, - राहुल कुमार, कुमार विभु, दिनेश पाली, सोमेंद्र, लालाराम, भवानी सिंह, देवेन्द्र आदि ने निमार्णी के समस्त कर्मचारियों और अधिकारियों से हस्ताक्षर अभियान मे शामिल होने की अपील की है।

नगर निगम में चरम पर भ्रष्टाचार

पार्षद मद के काम हो नहीं रहे, कंसल्टेंसी और अन्य विभाग की पेमेंट हो रही फटाफट

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर नगर निगम में इस समय भ्रष्टाचार चरम पर है। बुधवार को नेता प्रतिपक्ष नगर निगम अमरीश मिश्रा ने कांग्रेस पार्षद दल के साथ पत्रकार वार्ता मे भ्रष्टाचार उजागर करते हुए कहा कि जनता के द्वारा चुना गया पर्षद जनता के कार्य करने के लिए परेशान हो रहा है। पार्षद मद के काम हो नहीं रहे, भुगतान तो दूर की बात है। वहीं अन्य विभागों में अधिकारी ठेकेदार बने हुए हैं, तभी वन विभागों की पेमेंट की फटाफट हो रही है। पत्रकार वार्ता को नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा कांग्रेस पार्षद दल के सचेतक अयोध्या तिवारी, राजेश यादव आदि उपस्थित रहे।

धर्म गुरु के साथ मारपीट के आरोपियों पर कार्यवाही के लिए घेरा रांझी थाना

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

युवा कांग्रेस के तत्वाधान संगठन के नगर अध्यक्ष विजय रजक व चंदन चौधरी के नेतृत्व में आज युवक कांग्रेस के सैकड़ो साथियों के साथ रांझी थाना का घेराव किया संगठन ने आरोप लगाया कि 31 मार्च को थाना परिसर में थाना प्रभारी व थाना स्टाफ के सामने भाजपा समर्थित हिंदूवादी संगठनों के कुछ असामाजिक कार्यकताओं द्वारा ईसाई धर्म गुरु डॉ डेविस जॉर्ज के साथ हाथापाई की गई यदि मौके पर थाना प्रभारी व पुलिस प्रशासन नहीं होता तो आरोपियों के द्वारा और भी बड़ी घटना को अंजाम दिया जा सकता था घटना के तत्काल बात से ही पीड़ित पक्ष व समुदाय के द्वारा लगातार आरोपियों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की जा रही है, लेकर थाना प्रभारी के सामने हुई घटना व घटना का वीडियो होने के बाद भी अभी तक पुलिस प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही न किये जाना दशार्ता हैं कि पुलिस किस तरह सत्ता के अधीन कार्य कर रही हैं, इससे पहले भी ईसाई समुदाय द्वारा पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर इस घटना पर कारवाही की मांग की गई थी लेकिन अभी तक कार्यवाही न करना बहुत निंदनीय है, संगठन ने 24 घंटे पर कार्यवाही न किये जाने पर बड़े प्रदर्शन की चेतावनी दी है। आज के प्रदर्शन में नगर अध्यक्ष विजय रजक, चंदन चौधरी, रविन्द्र कुशवाहा, रजीत यादव, अमरचंद बावरिया, आशु वत्स, रामदास यादव, राजेन्द्र मिश्रा, सोनू दुबे, जग्गू विश्वकर्मा, अनिल सोनकर, के के मिश्रा, कौशल यादव, सिद्धांत जैन, अमित मिश्रा, मनोज लोधी, देवदास बघेल, प्रतीक चौकसे, अकबर खान,अर्पित सोनकर, आकाश तिवारी, शुभम रजक, सुमित गुप्ता, मोहित बंशकार, प्रतीक शुक्ला, अंशुल बर्मन, अतुल चौधरी, मोहन रजक आदि जन उपस्थित थे।

जल गंगा संवर्द्धन अभियान में जन अभियान परिषद द्वारा किए गए विविध आयोजन

अभियान के लोक व्यापीकरण के लिए कार्ययोजना तैयारी की गई

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जल गंगा संवर्द्धन अभियान अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा विभिन्न प्रस्फुटन ग्रामों एवं अन्य नगरीय क्षेत्रों में विविध आयामों पर जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान अंतर्गत आज विकास खंड मझौली के नरीला तालाब में श्रमदान एवं स्वच्छता कार्य किया गया। श्रमदान कार्यक्रम में नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि, प्रस्फुटन समिति, मेंटर्स एवं सामाजिक कार्यकताओं की सहभागिता रही है, इसी प्रकार विकास खण्ड शहपुरा में प्रस्फुटन घुघरी सोमती पठा धाम में नाले में श्रमदान कार्य किया गया है, कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों एवं प्रस्फुटन समितियों, जन अभियान परिषद के मेंटर्स उपस्थित रहे, विकास खण्ड पाटन के प्रस्फुटन ग्राम बिरुआ, विकास खण्ड बरगी के ग्राम उमरिया कुंडरी बोरी बंधान एवं जल संवाद का आयोजन किया। जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक प्रदीप तिवारी ने बताया कि जबलपुर जिले में जल गंगा संवर्द्धन अभियान में अधिक से अधिक संख्या में जन समुदाय एवं सामाजिक कार्यकताओं की सहभागिता के लिए संक्षिप्त कार्ययोजना तैयार की गई है। जिसके अंतर्गत आगामी 30 जून तक जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विविध कार्य किए जाएंगे। जिसमें जन जागरुकता, जन सहभागिता, जन रचनात्मकता, जन सहभागिता एवं दस्तावेजीकरण प्रमुख हैं। उपरोक्त आयामों पर प्रभात फेरी, जन चौपाल, दीवार लेखन, नुक्कड़ नाटक, जन समुदाय की सहभागिता से जल संरचनाओं का निर्माण एवं सुधार कार्य, नदी तटों, तालाब, बावड़ी एवं कुआं पर श्रमदान एवं स्वच्छता,वृक्षारोपण की तैयारी के साथ विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विविध रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए जन अभियान परिषद के विकास खंड समन्वयक, नवांकुर संस्थाओं, मेंटर्स एवं प्रस्फुटन समितियों के साथ बैठकों एवं संवाद के माध्यम से कार्ययोजना तैयार की गई है।

नरसिंह मंदिर में श्रीराम चरित मानस नवान्हपारायण

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

नरसिंह मंदिर के प्रारंभ काल से ही नवरात्र के अवसर पर श्रीराम चरित मानस के नवान्हपारायण पाठ किया जाता है। उसी श्रृंखला में वर्ष प्रतिपदा से चैत्र नवरात्र में संगीत मय श्री रामायण का नवाहपरायण, माँ भगवती श्री राजराजेश्वरी श्री विद्या जी की सहस्त्रनाम अर्चन, महानुष्ठान परम पूज्य श्रीमद जगद्गुरु नरसिंह पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी नरसिंह दास त महाराज के सानिध्य में श्री नरसिंह मंदिर शास्त्री ब्रिज जबलपुर में नव दिवसीय अनुष्ठान चल रहा है।

भगवान झूलेलाल एवं निषादराज जयंती पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन कल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

समरस भारत - समर्थ भारत के लिये सब सबको जाने - सब सबको माने, एक अभियान के अंतर्गत समरसता सेवा संगठन द्वारा भगवान झूलेलाल एवं निषादराज जी की जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन कल 03 अप्रैल 2025 गुरुवार को शाम 04:00 बजे से महेश भवन, गोपालबाग दमोहनाका के पास किया गया है। समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष श्री संदीप जैन ने सभी से उपस्थिति की अपील की है।

प्रभु श्री राम हमारे आदर्श, बर्दाश्त नहीं करेंगे अपमान

अखिलेश मेबन के खिलाफ कार्रवाई करें सरकार

कुछ असामाजिक तत्व विहिप को कर रहे बदनाम

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रभु श्री राम हमारे आदर्श हैं, उनका किसी भी रूप में अपमान हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। बुधवार को विश्व में परिषद की पत्रकार वार्ता मे प्रांत मंत्री प्रदीप गुप्ता ने बताया कि ज्वाय स्कूल के संचालक अखिलेश मेबन की व्हाट्सएप स्टेटस पर प्रभु श्री राम के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी करके हम सभी सनातनियों का अपमान किया है। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। विगत दिनों हमारे भोले भाले आदिवासी भाइयों को बहला फुसलाकर धर्मांतरण कराने ईसाई समाज के लोग लेकर आए। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकताओं के द्वारा विगत दिनों सुबह सूचना प्राप्त हुई भी कोई भँवरताल गार्डन के पास कुछ कथा कथित लोगों के द्वारा जनजातीय क्षेत्र से महिलाओं एवं बच्चों को लाकर बहला फुसलाकर उनका धर्मांतरण किया जा रहा है जब वहाँ कार्यकर्ता पहुँचे तो हम वहाँ से वह बस को भगाने की कोशिश की उस बस का पीछा करते हुए कार्यकताओं के द्वारा उस बस को रोका और पुलिस की मदद से उस बस को राँझी थाने ले जाया गया वहाँ पर जाकर उसकी जाँच करा रहे थे तब कुछ कथा कथित लोग हमारे कार्यकताओं से आकर अभद्रता पूर्वक गाली गलोज की हमारी बहने जो उस समय साथ में थी उनको अपमानित किया कार्यकताओंको जान से मारने की धमकी देने लगे वातार्लाप करने लगे जिसका जब कार्यकताओं ने विरोध किया तो प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद वहाँ से विरोध बंद हुआ और प्रशासन ने पूरा आश्वासन दिया कि उसकी पूरी जाँच करने के बाद हम धर्मान्तरण किये जा रहे जन जाति परिवार से वातार्लाप करके जल्द ही मामला दर्ज करेंगे। ये विषय उस दिन समाप्त होने के उपरांत 1 अप्रैल 2025 को जोय स्कूल विजय नगर के प्रधानाध्यापक अखिलेश मैंबन के द्वारा हमारे आराध्य श्रीराम जिनके लिए समस्त हिन्दू समाज ने 500 वर्षों से संघर्ष किया एवं आयोध्या में विजय प्राप्त की थी परंतु जब इनके द्वारा भगवान राम के ऊपर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई और इन्हीं के ईसाई समुदाय सेआने वाले लोगों ने इसको शेयर किया जिसका विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकताओं के द्वारा शांतिपूर्वक स्कूल में प्रदर्शन किया जा रहा था वहाँ पर भी इसी प्रकार से कार्यकताओं को उकसाने एवं अब शब्दों का प्रयोग स्कूल प्रबंधन के द्वारा किया जाने लगा जब विरोध ज्यादा बड़ा तो पुलिस के द्वारा वहाँ पर सभी को अलग कराया गया है एवं प्रभु राम के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले अखिलेश मैबीन के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट विजय नगर थाने में दर्ज की गई है विश्व हिंदू परिषद शासन प्रशासन से यह माँग करता है कि प्रभु राम के खिलाफ में इस प्रकार आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले इस व्यक्ति जिसका स्कूल अवैध रूप से निर्माण किया गया है शासन के द्वारा उसपे अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई एवं अखिलेश का जो घर बना हुआ है वह भी अवैध रूप से बनाया गया है इस पर बड़ी से बड़ी कार्रवाई की जाए इसके ऊपर रासुका की कार्रवाई की जाए एवं इसके साथ में जिन अन्य लोगों ने प्रभु राम के खिलाफ में की गई टिप्पणी को शेयर किया ये वो अपने फेसबुक से डाला है उन सभी की जाँच पड़ताल करके उन सभी के ऊपर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की जाए अन्यथा विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ही है भविष्य में उग्र आंदोलन करेगा।

रंग भरो प्रतियोगिता मे बच्चो ने दिखाया हुनर लगभग 255 बच्चे हुए शामिल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

भगवान श्रीं झूलेलाल जी के अवतरण दिवस के साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत रंग भरो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे लगभग 255 बच्चे शामिल हुए सभी के द्वारा भगवान श्रीं झूलेलाल जी की फोटो मे रंग भरे तत्पश्चात भगवान श्रीं झूलेलाल जी के जीवन पर प्रश्नउतरी का आयोजन किया सभी बच्चो ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया एवं बच्चों ने सुन्दर गीत प्रस्तुत किए एवं आकर्षक पुरस्कार प्राप्त किये 4 वर्ष से 12 वर्ष तक के बच्चे शामिल हुए! जिसमे मुख्य अतिथि श्रीमती करिश्मा शर्मा, किरण कलवानी, हितिशा शर्मा, सोनिया नोतनानी, सोनी वासवानी, दिव्या वासवानी, अंजलि जगवानी शामिल हुए सभी बच्चो को मुख्य अतिथि द्वारा सभी को उपहार दिया गया बच्चों के लिए स्वल्पहार की व्यवस्था की गई।

ग्यासुदद्दीन कुरैशी का ना निधन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मरहूम आरटीओ अजीज उद्दीन कुरैशी के छोटे बेटे, कासिम उद्दीन कुरैशी के भाई, फैजान हमजा के वालिद ग्यासुदद्दीन कुरैशी का इंतेकाल हो गया है। जिनकी मिट्टी उनके निवास जय प्रकाश नगर, अधारताल, आनंद नगर बस स्टॉप के सामने से उठाई गई और सुपुर्दे खाक मंडी मदार टेकरी कब्रिस्तान में किया गया।

शेयर पुनर्खरीद में कर पर हो फिर विचार

दुनिया भर में कंपनियां अपने शेयरधारकों को पूंजी लौटाने, बहीखाते दुरुस्त रखने और बेहतरीन माली हालत का संकेत देने के लिए शेयर पुनर्खरीद का रास्ता खूब पकड़ती हैं। ऐपल ने पिछले पांच साल में 430 अरब डॉलर के शेयर वापस खरीदे हैं, जिससे इसका शेयर चढ़ा है। मगर भारत में शेयर पुनर्खरीद को दुधारू गाय माना जाता है और दूसरी आर्थिक गतिविधियों की तरह इस पर भी कर लगाकर ज्यादा से ज्यादा रकम कमा लेना ही सरकार का मकसद रहता है। इस वजह से कंपनियां पुनर्खरीद से दूर रहती हैं और नुकसान शेयरधारकों का होता है। लुढ़कते बाजार में यह साफ दिख रहा है, जब नकदी के ढेर पर बैठी कंपनियों के शेयर धड़ाम हो गए मगर उनमें से एक ने भी पुनर्खरीद का दांव नहीं खेला। आखिर ऐसा क्या किया जाए कि कंपनियां शेयर पुनर्खरीद करें और शेयरधारकों को उसका फायदा मिले? शेयर पुनर्खरीद की कानूनी और नियामकीय व्यवस्था मुख्य रूप से 2013 के कंपनी अधिनियम और 1998 में आए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रतिभूति पुनर्खरीद नियम में दी गई है, जिसे 2018 और 2023 में संशोधित किया गया। इससे पहले 1956 में आए कंपनी कानून में कंपनियों को अपने ही शेयर खरीदने की इजाजत नहीं थी क्योंकि तब इसे कंपनी की रकम का गलत इस्तेमाल माना जाता था और कहा जाता था कि इससे ऋणदाताओं या अल्पांश शेयरधारकों को नुकसान पहुंच सकता है। मगर दुनिया और खास तौर पर अमेरिका में इसका चलन बढ़ता गया। फिर अंतरराष्ट्रीय चलन अपनाने और कंपनियों को ज्यादा वित्तीय गुंजाइश देने के लिए भारत को भी अपने रुख पर दोबारा विचार करना पड़ा। सेबी ने 1998 में शेयरों की पुनर्खरीद के नियम जारी किए और कंपनियों को खुले बाजार से शेयर वापसी के जरिये अपने शेयर दोबारा खरीदने की अनुमति मिल गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 1999 में शेयरधारकों से अपने शेयर खरीदे मगर लंबे-चौड़े नियमों, धीमी आर्थिक वृद्धि और कंपनियों के पास कम नकदी के कारण यह चलन ज्यादा नहीं बढ़ा। 2000 के दशक में जब अर्थव्यवस्था बेहतर होने लगी तो कुछ और कंपनियों ने अपने शेयर खरीदे, जिनमें खुले बाजार से रिलायंस इंडस्ट्रीज की 3,000 करोड़ रुपये की पुनर्खरीद भी शामिल थी।2010 के दशक में शेयर पुनर्खरीद का चलन बढ़ गया, जिसके पीछे आर्थिक वृद्धि, कर प्रोत्साहन और शेयर बाजार में बढ़ती गतिविधियों जैसे कई कारण थे। 2013 के कंपनी कानून ने 1956 में तैयार अधिनियम की जगह ले ली और धारा 68 के अंतर्गत कंपनियों को किसी वित्त वर्ष में अपनी चुकता पूंजी और मुक्त नकदी के 25 प्रतिशत हिस्से का इस्तेमाल शेयर पुनर्खरीद में करने की इजाजत मिल गई। इससे शेयर पुनर्खरीद ने जोर पकड़ा। पुनर्खरीद को लाभांश का बेहतर विकल्प भी माना गया क्योंकि इनमें कर की बचत थी। लाभांश पर 2016 तक लाभांश वितरण कर (डीडीटी) लगता था। अधिभार और उपकर मिलाकर 15-20 डीडीटी कंपनियों को चुकाना पड़ता था। शेयर पुनर्खरीद पर कम कर लगता था, जिससे वह लोकप्रिय होती गई। 2016 के वित्त अधिनियम में 10 लाख रुपये से अधिक लाभांश आय होने पर निवेशक से 10 प्रतिशत अतिरिक्त कर वसूलने का प्रावधान किया गया, जिससे शेयर पुनर्खरीद को और भी पंख लग गए। 2016-17 में 40 से अधिक सूचीबद्ध कंपनियों ने 30,000 करोड़ रुपये के शेयरों की पुनर्खरीद का ऐलान किया। उससे पहले किसी भी वित्त वर्ष में पुनर्खरीद पर इतनी रकम खर्च नहीं की गई थी। उनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज भी शामिल थी, जिसने 2012 और 2013 के बीच 10,440 करोड़ रुपये की शेयर पुनर्खरीद की घोषणा की थी मगर केवल 3,900 करोड़ रुपये (38 प्रतिशत लक्ष्य) के शेयर ही खरीद पाई थी। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने 2017 में 16,000 करोड़ रुपये के शेयर खरीदने की घोषणा की, जो शेयर वापसी के जरिये होने वाली तब तक की सबसे बड़ी पुनर्खरीद थी। बाद के सालों में भी टीसीएस ने शेयरधारकों को मुक्त नकदी का 80-100 प्रतिशत हिस्सा लौटाने के लिए बड़ी-बड़ी पुनर्खरीद कीं। इन्फोसिस ने भी 2017 में 13,000 करोड़ रुपये के शेयरों की पुनर्खरीद की घोषणा की।

भारतीय पूंजी बाजार के इतिहास में 2017 पहला साल रहा, जब शेयर पुनर्खरीद के प्रस्ताव आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) से ज्यादा रहे। 2019 की पहली छमाही में लगभग 70 कंपनियों ने शेयरधारकों से पुनर्खरीद की। इससे पहले किसी छमाही में इतनी अधिक कंपनियों ने पुनर्खरीद नहीं की थी। कंपनियों को 2019 के बजट के मुताबिक 20 प्रतिशत कर लगने से पहले ही शेयर वापस खरीद लेने की जल्दी थी। उससे पहले 2018 में केवल 63 कंपनियों ने शेयर पुनर्खरीद की थी। जैसा सोचा गया था वैसा ही हुआ और 2019 के संशोधन के बाद पुनर्खरीद प्रस्तावों की संख्या घटते हुए 2023 में केवल 48 रह गई। इसके बाद 2024 में फिर कर संशोधन हुए और शेयर पुनर्खरीद पर आयकर दरों के मुताबिक लाभांश कर लगने लगा। पहले उन पर 23.3 प्रतिशत पूंजीगत लाभ कर वसूला जाता था। धनाढ्य निवेशक एवं संस्थागत निवेशकों पर अब अधिक कर (उच्चतम श्रेणियों के लिए 37 प्रतिशत तक) लग रहा है। इसकी तुलना अमेरिका से करें तो वहां पुनर्खरीद पर केवल 1 प्रतिशत कर लगता है,जो 2022 के महंगाई कटौती कानून के तहत शुरू हुआ है। एक्सचेंज के जरिये खुले बाजार से पुनर्खरीद पर 1 अप्रैल से रोक लग गई है, जिससे कंपनियों के पास विकल्प घट गए हैं। अगर सरकार ने सोचा कि इससे कंपनियों को पुनर्खरीद कर से मुक्ति मिल जाएगी और उसका बोझ शेयरधारकों पर चला जाएगा तो इसमें दूर की सोच नहीं थी। शेयर पुनर्खरीद पर कर स्वैच्छिक नहीं है मगर उसमें हिस्सा लेना या न लेना अपनी मर्जी पर है। शेयरधारक आय के इस स्रोत पर भारी कर लगने से शायद ही खुश होंगे। शेयर पुनर्खरीद से कंपनियां शेयरधारकों को उनके निवेश पर फायदा दे पाती हैं, भरोसा दिखा पाती हैं और अपनी पूंजी को बेहतर रूप दे पाती हैं। नकदी से लबरेज सॉफ्टवेयर और सार्वजनिक कंपनियों ने निवेश के सही मौके नहीं होने पर उस भंडार का इस्तेमाल पुनर्खरीद में किया है। पुनर्खरीद अगर उस मुनाफे से की गई है, जिस पर पहले ही कर वसूला जा चुका है तो उसे छोड़ देना चाहिए। मगर लोलुप और नकदी की किल्लत से जूझ रही सरकारें पुनर्खरीद को कर निचोड़ने का जरिया मानती हैं। लुढ़कते बाजार में इस पर फिर विचार की जरूरत है। अगर सरकार किसी भी आयकर श्रेणी के व्यक्ति से पुनर्खरीद पर केवल 10 प्रतिशत कर लेती है तो नकदी से भरी सैकड़ों भारतीय कंपनियां इसका फायदा उठाएंगी और सरकार को ज्यादा कर भी मिल जाएगा। कम और एकसमान कर की नीति बाजार को बिना किसी खर्च के चढ़ा देगी और लाखों शेयरधारकों को खुशी देगी। अत्यधिक कर लगाने वाली सरकार इन तरीकों से समावेशी सरकार बन सकती है। क्या ऐसा होगा?

म्यांमार भूकंप विकास के लिए खतरा

इस भूकंप के झटके भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिम बंगाल में भी अनुभव किए गए। चीन, वियतनाम, ताइवान, लाओस और श्रीलंका में भी भूकंप की तरंगें अनुभव की गई। याद रहे, भारत के भुज में 24 साल पहले आया भूकंप भी 7.7 तीव्रता का था, जिसमें 20 हजार लोगों की मौतें हुई थीं और डेढ़ लाख लोग घायल हुए थे। तीन लाख से ज्यादा घरों को नुकसान हुआ था। म्यांमार के भूकंप का केंद्र भूमि के 10 किमी नीचे था। भूकंप के केंद्र वाला म्यांमार का क्षेत्र संवेदनशील क्षेत्र के रूप में पूर्व से ही चिन्हित है। बावजूद यहां आवास और उद्योगों के लिए आलीशान अट्टालिकाएं खड़ी की जा रही हैं। भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराने का परिणाम इस भूकंप को माना जा रहा है।

म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के ताकतवर भूकंप ने 1700 से भी ज्यादा लोगों की जान ले ली और 2500 से भी ज्यादा लोग घायल हैं। भूकंप के प्रभाव में आकर जिस तरह से बहुमंजिला इमारतें ढहीं, सड़कें, पुल और बांध टूटे, बिजली और इंटरनेट सेवाएं ठप हो गईं, यह प्रकृति की एक ऐसी नजीर है, जो बढ़ते शहरीकरण के लिए चेतावनी है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में आए कुछ पलों के झटकों ने ही दुनिया के इस सुंदर शहर को थर्रा दिया। इसी बीच अमेरिका की भूगर्भीय सर्वेक्षण एजेंसी ने आशंका जताई है कि मरने वालों की संख्या 10 हजार से भी अधिक पहुंच सकती है। इस भूकंप के झटके भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिम बंगाल में भी अनुभव किए गए। चीन, वियतनाम, ताइवान, लाओस और श्रीलंका में भी भूकंप की तरंगें अनुभव की गई। याद रहे, भारत के भुज में 24 साल पहले आया भूकंप भी 7.7 तीव्रता का था, जिसमें 20 हजार लोगों की मौतें हुई थीं और डेढ़ लाख लोग घायल हुए थे। तीन लाख से ज्यादा घरों को नुकसान हुआ था। म्यांमार के भूकंप का केंद्र भूमि के 10 किमी नीचे था। भूकंप के केंद्र वाला म्यांमार का क्षेत्र संवेदनशील क्षेत्र के रूप में पूर्व से ही चिन्हित है। बावजूद यहां आवास और उद्योगों के लिए आलीशान अट्टालिकाएं खड़ी की जा रही हैं।

भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराने का परिणाम इस भूकंप को माना जा रहा है। दिल्ली राजधानी क्षेत्र में 17 फरवरी 2025 की सुबह 5.36 बजे रिएक्टर स्केल पर चार तीव्रता वाले भूकंप के झटके और धमाकों जैसी आवाजें सुनी गईं थीं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र दिल्ली के धौलाकुआं के झील पार्क क्षेत्र में 5 किमी की गहराई में था। इस कारण इसकी तीव्रता भूगर्भ में ही कमजोर पड़ गई और सतह पर नहीं आने पाई। बिहार में भी भूकंप के झटके अनुभव किए गए। इसका केंद्र धरती की सतह से 10 किमी नीचे था। इसलिए असर केवल अनुभव हुआ। बावजूद भविष्य में भूकंप का यह संकेत दिल्ली के लिए विनाश की चेतावनी है। क्योंकि दिल्ली, हरिद्वार और महेंद्रगढ़ ,देहरादून के ऐसे पठारनुमा टीले पर बसा हुआ है, जहां से भूकंप की भ्रंश रेखा गुजरती है। अतएव यहां हमेशा भूकंप का खतरा बना रहता है। यह संकट इसलिए भी है, क्योंकि यमुना नदी के मैदानी क्षेत्र में भूमि की परत नरम है। हालांकि इस भूकंप को विवर्तनिक परत (टेक्टोनिक्स प्लेट) में किसी बदलाव के कारण आना नहीं माना गया था। इसके आने का कारण स्थानीय भूगर्भीय विविधता को माना जा रहा है। याद रहे हिमालय के उत्तरी तलहटी में स्थित चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र शिगात्से के निकट तिंगरी काउंटी में 7 जनवरी 2025 को 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें 126 लोग मारे गए थे। भूकंप से तिब्बत में किसी बांध या जलाशय को हानि नहीं पहुंची थी।

गौरतलब है कि भूकंप ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की योजना ने भारत और बांग्लादेश को चिंता में डाल दिया है। क्योंकि यह पूरा क्षेत्र भारत और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों में टकराव के कारण चीन के दक्षिण-पश्चिम हिस्से नेपाल और उत्तर-भारत में अकसर भूकंप आते रहते हैं। भूकंप की चेतावनी संबंधी प्रणालियां अनेक देशों में संचालित हैं लेकिन वह भू-गर्भ में हो रही

दानवी हलचलों की सटीक जानकारी समय पूर्व देने में लगभग असमर्थ हैं। क्योंकि प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी देने वाले अमेरिका, जापान, भारत, नेपाल, चीन और अन्य देशों में भूकंप आते ही रहते हैं। इसलिए यहां लाख टके का सवाल उठता है कि चांद और मंगल जैसे ग्रहों पर मानव बस्तियां बसाने का सपना और पाताल की गहराइयों को नाप लेने का दावा करने वाले वैज्ञानिक आखिर पृथ्वी के नीचे उत्पात मचा रही हलचलों की जानकारी प्राप्त करने में क्यों असफल हैं ? जबकि वैज्ञानिक इस दिशा में लंबे समय से कार्यरत हैं। अमेरिका एवं भारत समेत अनेक देश मौसम व भूगर्भीय हलचल की जानकारी देने वाले उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित कर चुके हैं। दरअसल दुनिया के नामचीन विशेषज्ञों व पर्यावरणविदों की मानें तो सभी भूकंप प्राकृतिक नहीं होते, बल्कि उन्हें विकराल बनाने में मानवीय हस्तक्षेप शामिल है। इसीलिए इस भूकंप को स्थानीय भू-गर्भीय विविधता का कारण माना गया है। दरअसल प्राकृतिक संसाधनों के अकूत दोहन और फिर शहरीकरण और औद्योगिकीकरण के लिए शैतानी निर्माण से छोटे स्तर के भूकंपों की पृष्ठभूमि तैयार हो रही है। भविष्य में इन्हीं भूकंपों की व्यापकता और विकरालता बढ़ जाती है। यही कारण है कि भूकंपों की आवृत्ति बढ़ रही है। भूकंपों का वैज्ञानिक आकलन करने से यह भी पता चला है कि भूकंपीय विस्फोट में जो ऊर्जा निकलती है, उसकी मात्रा भी पहले की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली हुई है। जापान और फिर क्वोटो में आए सिलसिलेवार भूकंपों से पता चला है कि धरती के गर्भ में अंगड़ाई ले रही भूकंपीय हलचलें महानगरीय आधुनिक विकास और आबादी के लिए अधिक खतरनाक साबित हो रही हैं। ये हलचलें भारत, पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की धरती के नीचे भी अंगड़ाई ले रही हैं। इसलिए इन देशों के महानगर भूकंप के मुहाने पर खड़े हैं। हैरानी इस बात पर है कि विज्ञान की आश्चर्यजनक तरक्की के बाद भी वैज्ञानिक आज तक ऐसी तकनीक ईजाद करने में असफल रहे हैं, जिससे भूकंप की जानकारी आने से पहले मिल जाए। भूकंप के लिए जरूरी ऊर्जा के एकत्रित होने की प्रक्रिया को धरती की विभिन्न परतों के आपस में टकराने के सिद्धांत से आसानी से समझा जा सकता है।

ऐसी वैज्ञानिक मान्यता है कि करीब साढ़े पांच करोड़ साल पहले भारत और आस्ट्रेलिया को जोड़े रखने वाली भूगर्भीय परतें एक-दूसरे से अलग हो गईं और वे यूरेषिया परत से जा टकराईं। इस टक्कर के फलस्वरूप हिमालय पर्वतमाला अस्तित्व में आई और धरती की विभिन्न परतों के बीच वर्तमान में मौजूद दरारें बनीं। हिमालय पर्वत उस स्थल पर अब तक अटल खड़ा है, जहां पृथ्वी की दो अलग-अलग परतें परस्पर टकराकर एक-दूसरे के भीतर घुस गई थीं। परतों के टकराव की इस प्रक्रिया की वजह से हिमालय और उसके प्रायद्वीपीय क्षेत्र में भूकंप आते रहते हैं। इसी प्रायद्वीप में ज्यादातर एशियाई देश बसे हुए हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि रासायनिक क्रियाओं के कारण भी भूकंप आते हैं।

विकास के लिए पानी, गैस, खनिज, इस्पात, ईंधन और लकड़ी जरूरी हैं। नतीजतन जो कॉर्बन गैसें बेहद न्यूनतम मात्रा में बनती थीं, वे अब अधिकतम मात्रा में बनने लगी हैं। इस वजह से वायुमंडल में इकतरफा दबाव बढ़ रहा है। इस कारण धरती पर पड़ने वाली सूरज की गर्मी प्रत्यावर्तित होने की बजाय, धरती में ही समाने लगी है। गोया, धरती का तापमान बढ़ने लगा, जो जलवायु परिवर्तन का कारण तो बना ही, प्राकृतिक आपदाओं का कारण भी बन रहा है। ऐसे में सीमेंट, लोहा और कंक्रीट के भवन जब गिरते हैं, तो मानव त्रासदी ज्यादा होती है। जैसे कि हमें अमेरिका के लॉस एंजीलिस शहर में लगी आग में देखने में आ रहा है।

हृदय का करें अनुसरण

संकलित

दर्शन

कोई भी धर्मग्रंथ हमें धार्मिक नहीं बना सकता। चाहे हम दुनिया के सारे धर्मग्रंथ पढ़ डालें, परंतु फिर भी ईश्वर या धर्म का हमें तनिक भी ज्ञान नहीं होता। हम सारी उम्र धर्म या ईश्वर संबंधी बातें करते रहें, पर हमारी आध्यात्मिक उन्नति नहीं होती। दुनिया के विद्वानों ने भले ही हमारी बुद्धि प्रखर कर दी हो, पर हम ईश्वर तक नहीं पहुंच सके। पाश्चात्य संस्कृति का दोष यह है कि हम बुद्धि का संस्कार करते समय हृदय के संस्कार की ओर ध्यान ही नहीं देते। इसका परिणाम यह होता है कि मनुष्य दस गुना स्वार्थी हो जाता है। यदि हृदय और बुद्धि में विरोध उत्पन्न हो, तो तुम हृदय का अनुसरण करो, क्योंकि बुद्धि केवल एक तर्क के क्षेत्र में ही काम कर सकती है, वह उसके परे जा ही नहीं सकती, पर वह केवल हृदय ही है, जो हमें उच्चतम भूमिका पर आरूढ़ करता है। वहां तक बुद्धि कभी नहीं पहुंच सकती। हृदय, बुद्धि का अतिक्रमण कर अंतःस्फूर्ति को पा लेती है। बुद्धि से कभी अंतःस्फूर्ति प्राप्त नहीं हो सकती। अंतःस्फूर्ति का कारण केवल ज्ञानोदय बासित हृदय ही है। बुद्धिप्रधान, किंतु हृदय शून्य मनुष्य कभी स्फूर्तिमान नहीं बन सकता। प्रेममय पुरुष की समस्त क्रियाएं उसके हृदय से अनुप्राणित होती हैं। एक ऐसा उच्चतर साधन, जिसे बुद्धि कभी नहीं दे सकती, अगर किसी ने पाया है तो हृदय ने ही, और वह साधन है अंतःस्फूर्ति। जिस तरह बुद्धि ज्ञान का साधन है, उसी तरह हृदय अंतःस्फूर्ति का। शुरुआत में हृदय इतना शक्तिशाली नहीं होता, जितनी कि बुद्धि।

एक सत्संग ऐसी भी

संकलित

प्रेरणा

एक सेठ और सेठानी रोज सत्संग में जाते थे। सेठजी के घर एक पिंजरे में तोता पाला हुआ था। तोता एक दिन पूछता हैं कि सेठजी आप रोज कहाँ जाते है। सेठजी बोले कि, सत्संग में ज्ञान सुनने जाते है। तोता कहता है, सेठजी संत महात्मा से एक बात पूछना कि में आजाद कब होऊंगा। सेठजी सत्संग खत्म होने के बाद संत से पूछते है कि महाराज हमारे घर जो तोता है उसने पूछा हैं की वो आजाद कब होगा? संत जी ऐसा सुनते हीं बेहोश होकर गिर जाते है। घर आते ही तोता सेठजी से पूछता है कि सेठजी संत ने क्या कहा। सेठजी कहते है तेरी आजादी का पूछते ही वो बेहोश हो गए। दूसरे दिन सेठजी सत्संग में जाने लगते है तब तोता पिंजरे में जानबूझ कर बेहोश होकर गिर जाता हैं। सेठजी उसे मरा हुआ मानकर जैसे हीं उसे पिंजरे से बाहर निकालते है, तो वो उड़ जाता है। सत्संग जाते ही संत सेठजी को पूछते है कि कल आप उस तोते के बारे में पूछ रहे थे ना अब वो कहाँ हैं। सेठजी कहते हैं, हाँ महाराज आज सुबह-सुबह वो जानबुझ कर बेहोश हो गया , मैंने देखा की वो मर गया है इसलिये मैंने उसे जैसे ही बाहर निकाला तो वो उड़ गया। तब संत ने सेठजी से कहा की देखो तुम इतने समय से सत्संग सुनकर भी आज तक सांसारिक मोह-माया के पिंजरे में फंसे हुए हो और उस तोते को देखो बिना सत्संग में आये मेरा एक इशारा समझ कर आजाद हो गया।

सटाका

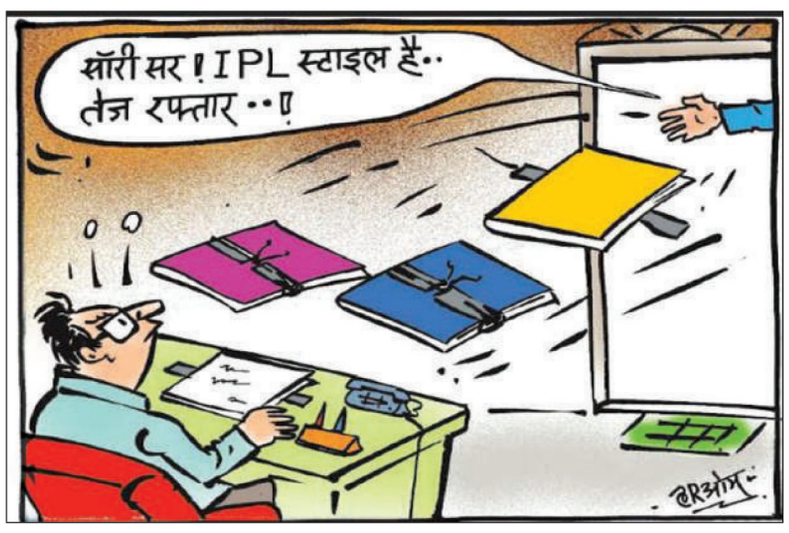

आज की पाती

जनप्रतिनिधियों को वेतन पेंशन देने का औचित्य

भारत एक गौरवशाली लोकतांत्रिक गणराज्य है। हालांकि, विषय विचारणीय है कि संविधान में उल्लिखित आदर्श और सिद्धांत, जिनका उद्देश्य सभी नागरिकों को समान अधिकार और न्याय सुनिश्चित करना था, उनके अर्थों को समय-समय पर स्वहित में तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति भी उतनी ही पुरानी हो गई है। लोकतंत्र में जनता अपने प्रतिनिधियों का चयन इस विश्वास के साथ करती है कि वे उनके अधिकारों और कल्याण के लिए कार्य करेंगे। इन्हें जनसेवक कहा जाता है, लेकिन व्यवहार में इनका कार्य सेवा से अधिक 'सुविधा और लाभ' की ओर झुका हुआ है। संसद में हो रहे व्यवधान से प्रश्न उठता है कि क्या इन्हें वेतन और पेंशन दी जानी चाहिए या नहीं? भारत की समूह जनता को इस विषय पर चिंतन करना है।

– विवेक सक्सेना, राजनांदगांव

ट्रेंड

'ओडिशा दिवस' हर वर्ष

दिल्ली सरकार ने निर्णय लिया है कि हर वर्ष 'ओडिशा दिवस' को भव्य रूप से मनाया जाएगा। ओडिशा की संस्कृति, परंपराओं और योगदान का सम्मान करना हम सबका कर्तव्य है। हम इसे और सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

नशे के खिलाफ़ कदम

पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने पिछले 1 महीने में नशे के खिलाफ़ ऐसे सख्त कदम उठाए हैं, जो पिछले 75 सालों में नहीं हुए। अब इसे जनआंदोलन बनाकर पंजाब के गांव-गांव में जागरूकता फैलाएंगे और लोगों को जोड़ेंगे, हर पिंड से नशे को खत्म करना ही हमारा संकल्प है।

-अरविन्द केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

उत्कल दिवस

प्राकृतिक सुंदरता, प्राचीन शिल्पकारी और अनूठी संस्कृति से समृद्ध ओडिशा राज्य, भारत का गौरव है। सभी प्रदेशवासियों को उत्कल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

महाभारत का मंच

महाभारत एक ऐसा मंच होना चाहिए जो कई कहानियाँ कहने का समर्थन करता हो.. यह क्वांटम कहानी कहने के सबसे करीब है.. पात्र पात्रों से विकसित होते हैं.. चलो बात करते हैं।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

तीन मुस्लिम देशों का दौरा आखिर क्या है ट्रंप का प्लान

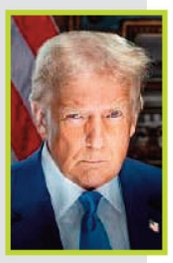

डोनाल्ड ट्रंप इमिग्रेशन से लेकर टैरिफ तक लगातार सख्त फैसले ले रहे हैं। हालांकि ट्रंप कई देशों से रिश्ते सुधारने में भी जुट गए हैं और इसी एवज में वो तीन मुस्लिम देशों का दौरा करने जा रहे हैं। इस बात की जानकारी खुद ट्रंप ने दी और कहा कि सत्ता में वापसी के बाद पहली विदेश यात्रा सऊदी अरब की हो सकती है। अगले महीने ही डोनाल्ड ट्रंप सऊदी अरब की यात्रा कर सकते हैं। उन्होंने सोमवार को व्हाइट हाउस में कहा कि उनकी सत्ता में वापसी के बाद पहली विदेश यात्रा सऊदी अरब की हो सकती है। ट्रंप ने कहा कि अगले महीने ये यात्रा हो सकती है, या थोड़ा बाद में। उन्होंने इसी के साथ कतर समेत कुछ अन्य देशों में भी जाने की संभावना जताई रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि यूएई बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए मैं यूएई और कतर में रुकेंगे। सऊदी अरब के अधिकारियों ने हमारी अमेरिकी कंपनियों में लगभग एक ट्रिलियन डॉलर खर्च करने पर सहमति व्यक्त की है, जिसका अर्थ मेरे लिए नौकरियां हैं। अमेरिकी कंपनियां सऊदी अरब और मध्य पूर्व के अन्य स्थानों के लिए उपकरण बनाएंगी। बता दें कि जनवरी में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी व्यापार और निवेश में 600 बिलियन डॉलर जमा करने का वादा किया था।

ऑफ बीट

दिन में तीन पहरों में रूप बदलती है ज्ञान की देवी मां शारदा

बुंदेलखंड के जालौन जिले में ज्ञान की देवी मां शारदा का ऐसा मंदिर है जिसके बारे में मान्यता है कि एक कुंड से प्रकट हुईं आदि शक्ति दिन के तीन पहरों में अलग अलग रुपों में अपने भक्तों को दर्शन देती हैं। जिला मुख्यालय उरई से लगभग 30 किमी दूर ग्राम बैरागढ़ में स्थित इस मंदिर में ज्ञान की देवी सरस्वती मां शारदा के रूप में विराजमान हैं। किवदंतियों के अनुसार, यह मंदिर आदिकाल में निर्मित हुआ था और मां शारदा की मूर्ति मंदिर के पीछे बने एक कुंड से निकली थी। इस कारण इस स्थान को शारदा देवी सिद्ध पीठ कहा जाता है। मान्यता है कि देवी प्रतिमा दिन में तीन रूपों में दिखती है, सुबह के समय कन्या के रूप में, दोपहर को युवती के रूप में और शाम को मां के स्वरूप में। इन अद्भुत दर्शनों के लिए श्रद्धालु पूरे देश से यहां आते हैं। पुजारी शारदा शरण द्विवेदी ने बताया कि मंदिर प्रांगण में पाखर का वृक्ष नवरात्र के समय हरा भरा हो जाता है जहां श्रद्धालु पेड़ के नीचे तप और ध्यान भी करते हैं। भक्त मानते हैं कि पेड़ के नीचे बैठकर जो अपनी मन्नत होती है वह पूर्ण होती है। मां शारदा शक्ति पीठ ऐतिहासिक रूप से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पृथ्वीराज चौहान और आल्हा-उदल के युद्ध की साक्षी रही है।

संपादकीय

रियायती दरों पर पुस्तकें, कॉपियाँ, यूनिफार्म और स्कूल बैग खरीदने बड़ी संख्या में पुस्तक मेला पहुँच रहे स्कूली बच्चे और अभिभावक

पुस्तक मेला जिला प्रशासन का सराहनीय कदमः विधायक बरकडे

पुस्तक मेला में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां बनी आकर्षण का केंद्र

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिला प्रशासन द्वारा गोलबाजार स्थित शहीद स्मारक प्रांगण में आयोजित किया जा रहा बारह दिवसीय पुस्तक मेला स्कूली बच्चों और अभिभावकों के बीच अपनी अलग पहचान बना रहा है। पुस्तक मेले में पुस्तक, कॉपी, यूनिफॉर्म एवं स्कूल बैग सहित अन्य शैक्षणिक सामग्रियां खरीदने के लिए बड़ी संख्या में बच्चे और अभिभावक मेला स्थल पर पहुंच रहे हैं और डिस्काउंट के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की स्मृतियां तथा लजीज व्यंजनों का स्वाद भी अपने साथ लेकर जा रहे हैं। पुस्तक मेला के आयोजन के नौवें दिन की शाम आज बुधवार को विधायक संतोष वरकडे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए। इस दौरान संयुक्त संचालक लोक शिक्षण विभाग जबलपुर प्राचीश जैन, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी एवं डाइट प्राचार्य सुधीर उपाध्याय सहित शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बाल कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गईं, जिसे लोगों ने खूब सराहना की। कार्यक्रम को संबोधित

करते हुए विधायक संतोष वरकड़े ने कहा कि पुस्तक मेला में रियायती दरों पर बच्चों और अभिभावकों को एक ही स्थान पर शैक्षणिक सामग्री खरीदते हुए देखकर प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का छात्र जीवन से लेकर अंतिम सांस तक सीखने का क्रम निरंतर जारी रहता है। कभी शिक्षक एवं प्रकृति तो कभी परिस्थितियाँ उसे जीवन का बहुमूल्य पाठ पढ़ाती हैं। मनुष्य के जीवन में संस्कारों की शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, जो उसे परिवार और गुरुओं से प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि पुस्तक जीवन में शिक्षक की भांति महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। पुस्तक इंसान की सबसे अच्छी मित्र होती हैं। उन्होंने शिक्षकों के चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा राष्ट्र का निर्माण करते हैं। समाज में शिक्षकों का देवतुल्य स्थान होता है। उन्होंने पुस्तक मेला के आयोजन के लिए जिला प्रशासन का सराहनीय कदम बताया और धन्यवाद ज्ञापित किया। संयुक्त आयुक्त लोक शिक्षण विभाग जबलपुर संभाग प्राचीश जैन ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा लगातार दूसरी वर्ष आयोजित किया जा रहा मेला बच्चों और अभिभावकों के लिए वरदान साबित हो रहा है। इसे अपार जनसमर्थन मिल रहा है और ये वृहद जन आंदोलन का स्वरूप ले चुका है। पुस्तक मेला में डाइट प्राचार्य सुधीर ने कहा कि जबलपुर में आयोजित पुस्तक मेला की गूंज दूर-दूर तक सुनाई दे रही है। यह जिला प्रशासन की कड़ी मेहनत का परिणाम है।

पुस्तक मेला में शिक्षा विभाग द्वारा लगाया गया बुक बैंक का स्टॉल लगातार आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बड़ी संख्या में बच्चे इस स्टॉल पर पिछले वर्ष की किताबें दान करने आ रहे हैं। वहीं इस स्टॉल से एनसीईआरटी की पहली से पांचवी तक की पुस्तकों का पूर्व वर्ष का सेट 50 रुपए, कक्षा छठवीं से आठवीं तक का सेट 100 रूपए, कक्षा नौवीं एवं दसवीं का सेट 150 रुपए तथा कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं की पूर्व वर्ष की पुस्तकों का सेट मात्रा 200 रूपए में प्राप्त किया जा सकता है। पूर्व वर्ष की किताबों का सेट लेने वाले विद्यार्थियों से यह राशि भी दान स्वरूप ली जा रही है और इसे जिला रेडक्रॉस सोसायटी के खाते में जमा किया जा रहा है।

कार्यक्रम में अपनी बिटिया कृतिका गुप्ता की नृत्य प्रस्तुति देखने परिवार के साथ आए आदित्य गुप्ता ने बताया कि पुस्तक मेला अभिभावकों को आर्थिक राहत प्रदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि पुस्तक मेला में एक ही स्थल पर सभी सामग्री उपलब्ध होने की वजह से समय की भी बचत हो रही है। पुस्तक मेला में बिटिया की शानदार प्रस्तुति देखकर पिता आदित्य गुप्ता का हृदय गौरवान्वित हो उठा।

श्री बड़ी खेरमाई मंदिर में महाआरती

सैकड़ो की संख्या में शामिल हुई मां की बेटियां

मंदिर परिसर में लगा है मेला

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

संस्कारधानी इस समयमाता की भक्ति में लीन है। सैकड़ो मंदिरों मेंदिनभर आयोजन हो रहे हैं। भान तलैया स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री बड़ी खेरमाई माता के मंदिर में चैत्र नवरात्रि का मेला लगा हुआ है। मां की बेटी समिति की अध्यक्ष रीना पाल और प्रीति त्रिपाठी ने बताया कि बुधवार को मां की बेटियों के द्वारा विशाल महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ो की संख्या में मातृशक्ति शामिल हुई। वहीं श्री बड़ी खेरमाई ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल ने बताया कि मंदिर प्रांगण में मेला लगा हुआ है।

हजारों की संख्या प्रतिदिन श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं सबकी मुरादे पूरी होती है। भाई आधार ताल स्थित विवेक कॉलोनी में शिव-पर्वती मंदिर में माता की आराधना का 9 दिवसीय पूजन कार्यक्रम चल रहा है। प्रतिदिन शाम को सामूहिक आरती का कार्यक्रम एवं प्रसाद वितरण हो रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां शामिल हो रहे हैं।

नॉन टीचिंग स्टाफ हेतु कंप्यूटर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय महाकौशल महाविद्यालय जबलपुर में आंतरिक गुणवत्ता आस्वस्ति प्रकोष्ठ के तत्वाधान में कंप्यूटर जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 25 मार्च 2025 से 2 अप्रैल 2025 तक नॉन टीचिंग स्टाफ हेतु किया गया। कार्यक्रम एवं आई क्यू एसी प्रकोष्ठ समन्वयक डॉक्टर आभा पांडे एवं प्राचार्य डॉक्टर अलकेश चतुर्वेदी के निर्देशन में प्रशिक्षण का कार्य संपादित हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट से निर्देश डाउनलोड करना, गूगल मेल का निर्माण करना, मेल के द्वारा मैसेज और अटैचमेंट भेजना, गूगल ड्राइव का उपयोग करना, गूगल फॉर्म का निर्माण करना और गूगल फॉर्म के द्वारा जानकारियां एकत्रित करना, फॉर्म भरना गूगल ट्रांसलेट एवं ट्रांसलिटरेट की उपयोगिता भी बताई गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य स्टाफ को कंप्यूटर फ्रेंडली बनाना था जिसके लिए स्टाफ को वॉइस टाइपिंग, एमएस वर्ड, एमएस एक्सल, गूगल मीट के उपयोग के साथ ही यूट्यूब, व्हाट्सएप का कार्यालयीन कार्य हेतु उपयोग करने के संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। डॉक्टर नीलिमा, डॉक्टर धीरेंद्र त्रिपाठी, श्री सौरभ राय के द्वारा कंप्यूटर लैब में ऑडियो विजुअल माध्यम से प्रत्येक मॉड्यूल का डेमोंसट्रेशन किया गया एवं डॉ विजेंद्र विश्वकर्मा, डॉ सुशील ठाकरे, डॉ आभा दुबे के द्वारा हैंड्स ऑन प्रशिक्षण दिया गया। आई क्यू एसी सदस्य डॉक्टर प्रतिभा कुमार, डॉक्टर स्मिता बेलवंशी, डॉक्टर मनीष सक्सैना ,डॉक्टर विभा चौधरी, डॉक्टर कुसुम लता रजक का प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेष योगदान रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 15 नॉन टीचिंग स्टाफ ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर प्राचार्य डॉक्टर अल्केश चतुर्वेदी ने सभी को प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु बधाई दी।

डॉ. अनीता बब्बर को कृषि महाविद्यालय, जबलपुर के डीन की जिम्मेदारी सौंपी गई

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की अनुशंसा पर कृषि महाविद्यालय की प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनीता बब्बर को कृषि महाविद्यालय, जबलपुर के डीन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ. बब्बर ने जई, बरसीम, उड़द एवं चने की फसलों में मुख्यतः अनुसंधान कार्य किया है, जिसमें से चने की 11 प्रजातियां अत्यंत प्रचलित हैं, आपकी जेजी-14 चने की प्रजाति को विश्व पटल पर प्रथम हीट टोलरेंट का दर्जा प्राप्त है। आपके द्वारा 14 परियोजनाएं संचालित की जा चुकी हैं। आपके 71 रिसर्च पेपर, 5 पुस्तक लेख प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ. बब्बर 40 से अधिक शोध छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान कर चुकी हैं। आपको बेस्ट साइंटिस्ट अवॉर्ड, बेस्ट तकनीकी स्थांतरक एवं बेस्ट टीचर अवॉर्ड के रूप में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। आपने अनुसंधान एवं वैज्ञानिक चिंतन के लिए कई देशों में ज.ने.कृ.वि.वि. का प्रतिनिधित्व किया है। डॉ. अनीता बब्बर को कृषि महाविद्यालय, जबलपुर के अधिष्ठाता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. एस.के. पांडे, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतु, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, वित्तनियंत्रक डॉ. अजय खरे, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. बी. एस. द्विवेदी सहित प्राध्यापक, वैज्ञानिक, अधिकारी-कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने बधाई एवं शुभकामनायें प्रेषित की है।

माता का पूजन कर मांगा अटल सुहाग

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर चैत्र नवरात्रि में महिलाओं के द्वारा विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। इसी क्रम में अशोक विहार कॉलोनी ऐश्वर्य महिला मंडल के द्वारा माता का पूजन किया गया। सभी बहनों ने बुधवार को बुधवार है। त्योहार धूमधाम से मनाया और सभी ने अपने पति की लंबी आयु की कामना कर माता से अटल सुहाग मांगा।

कांग्रेस ने जलाया मुख्यमंत्री का पुतला

प्रदेश में बढ़ रहा भ्रष्टाचार, जनता त्रस्त अधिकारी मस्त

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर के मालवीय चौक पर कांग्रेस पार्टी द्वारा मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया। नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने बताया कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार आज भ्रष्टाचार, घोटालों और कुशासन का पर्याय बन चुकी है। प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और बदहाल कानून व्यवस्था से त्रस्त है, लेकिन सरकार विज्ञापनों और जुमलों के सहारे अपनी विफलताओं को छिपाने में लगी है। मध्यप्रदेश में आरटीओ भ्रष्टाचार के मुख्य आरोपी सौरभ शर्मा को बचाने के लिए लोकायुक्त और भाजपा सरकार की मिलीभगत अब स्पष्ट रूप से सामने आ चुकी है। लोकायुक्त द्वारा दो महीने बीत जाने के बाद भी चार्जशीट दाखिल नहीं की गई, ताकि आरोपी को जमानत

मिलने का पूरा अवसर दिया जा सके और वह जेल से रिहा होकर अवैध रूप से एकत्रित राशि को सरकार और स्वयं के बीच बांट सके। इस सरकारी भ्रष्टाचार और अन्याय के खिलाफ मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी के आह्वान पर नगर कांग्रेस कमेटी, जबलपुर द्वारा मालवीय चौक पर मुख्यमंत्री मोहन यादव का पुतला दहन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और भाजपा सरकार के इस भ्रष्टाचार के खिलाफ नारेबाजी एवं प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में रामविलास दुबे पांडा, गुड्डू नवी, अयोध्या तिवारी, हर्षित यादव, रज्जू सराफ, मदन लारिया, दिलीप साहू, रितेश बंटी गुप्ता, रंजीत ठाकुर, उमेश यादव, प्रवेंद्र सिंह चौहान, कैलाश ठाकुर, जय ठाकुर, रिंकू शर्मा, अनुज श्रीवास्तव, भारत पटेल, विक्रम सिंह, पूनम सोनकर, अजय रावत, आलोक मसीह, राजकुमार सोनी आदि उपस्थित रहे।

राम ही राष्ट्र के प्राणाधार राजीव लोचन महाराज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

राम जीवन के मूलाधार है, जीवन को सफल बनाने के लिए निरंतर राम नाम जप करना चाहिए। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम ने सामान्य जन की भांति ही जीवन चरित्र को निर्वाहन किया। भगवान श्री राम का सुशोभित स्वरूप में जन जन को दर्शन कराना ही महोत्सव का मूल उद्देश्य है। राम राष्ट्र के प्राणाधार है। आध्यात्मिक सांस्कृतिक धार्मिक चेतना का जागरण करने ही सामूहिक उत्सव मनाया जाता है । राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए राम चरित मानस का पाठ और मूल उद्देश्य को जन जन को समझाना चाहिए । राष्ट्र की जनभावना राम से जुड़ी है उक्त उद्गार श्री राम प्राकट्योत्सव के अवसर पर श्री राम मन्दिर मदन महल में दक्षिण कौशल पीठाधीश्वर महंत राजीव लोचन दास महाराज छतरपुर ने कहे। श्रीराम कथा में गुलशन मखीजा, रमेश शर्मा,गीता पांडे,मनोज शर्मा, जितिन नारंग , शालू कपूर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त श्रोताओं की उपस्थिति रही।

चैती छठ पूजा : भगवान और को प्रथम अर्घ्य आज

महिलाओं ने घर में मनाया खरना, 36 घंटे का व्रत प्रारंभ

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

चैती छठ पूजा के दूसरे दिन, जिसे खरना के नाम से जाना जाता है। उत्तर प्रदेश बिहार महासंघ की महिला शाखा की महामंत्री श्रीमती अन्नु सिंह ने बताया कि बुधवार को व्रती पूरे दिन बिना पानी के उपवास रखते है। हमने शाम को सूर्य देव की पूजा के बाद गुड़ से तैयार की गई खीर, रोटी और फल का सेवन किया। खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद हमारा 36 घंटे का निर्जला उपवास आरंभ हो गया। आज छठ व्रति महिलाएं अस्तागामी भगवान सूर्य को प्रथम अर्घ्य देंगी और कल सूर्योदय के समय भगवान सूर्य नारायण को द्वितीय अर्घ्य देकर छठ पूजा का समापन करेंगी।

शुद्धता का रहता है विशेष ध्यान :

श्रीमती सिंह ने बताया कि सबसे पहले, सुबह-सुबह पूजा स्थल और घर को अच्छे से साफ की। हमने आज स्वच्छ वस्त्र पहने, पूजा के लिए गन्ने का उपयोग किया और गन्ने के टुकड़ों और उसके रस से भी प्रसाद तैयार किया है।

खरना का प्रसाद :

खरना के प्रसाद में मुख्य रूप से गुड़ की खीर, रोटी और विभिन्न प्रकार के फल शामिल होते हैं. गुड़ की खीर बनाने के लिए चावल, दूध और गुड़ का उपयोग किया जाता है। इसे मिट्टी के चूल्हे पर धीमी आंच पर पकाया जाता है, और इसमें तुलसी के पत्ते भी मिलाए जाते हैं ताकि प्रसाद की पवित्रता बनी रहे।

विधायक डॉ पांडे ने किया नई सड़कों का भूमिपूजन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय के द्वारा बुधवार को विधानसभा के अंतर्गत आने वाले स्वामी विवेकानंद वार्ड एवं दयानंद सरस्वती वार्ड में सीमेंट कंक्रीट सड़कों का भूमिपूजन किया गया दोनों ही जगह करीब 45 लाख रुपए की लागत से आर सी सी रोड का निर्माण और नाली बनाई जाएगी। इस दौरान विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने कहा कि हम उत्तर मध्य विधानसभा में समग्र विकास के मॉडल पर कार्य कर रहे हैं जिसमें हमारा विजन 52

(शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सेवा और संस्कार) को लेकर कार्य करना हैं और हम विकास के कार्यों को जन भावनाओं के अनुरूप पूर्ण गुणवत्ता के साथ और व्यवस्थित रूप से करने का प्रयास कर रहे हैं। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद सोनिया रंजीत सिंह,लवलीन आनंद,प्रतिभा भापकर,योगेश बिलोहा,सपन यादव,राघवेंद्र यादव,जयराम तिवारी,प्रणीत वर्मा,राहुल बैन,चन्द्रशेखर पटेल आदि उपस्थित थे।

आधी आबादी की भागीदारी के बिना लोकतंत्र अधूरा

महिला आरक्षण लागू करने हेतु महिला आक्रोश संगोष्ठी, ज्ञापन भी सौंपा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सरकार द्वारा 33% महिला आरक्षण शीघ्र लागू करने हेतु सिविक सेंटर स्थित इंदिरा गांधी की प्रतिमा के समक्ष महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल के नेतृत्व और शहर अध्यक्ष श्रीमती कमलेश यादव के संयोजन में " महिला आक्रोश संगोष्ठी " के साथ ही महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम महिला आरक्षण शीघ्र लागू करने बाबत एक ज्ञापन भी सौंपा गया। इस महिला आक्रोश संगोष्ठी को शहर अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ,सुश्री कौशल्या गोटिया जी, जमुना मरावी ,अंजू बघेल, विनीता सिंह यादव, संगीता त्रिपाठी , मनीषा अवस्थी, यशोदा पांडे, कंचन तिवारी, श्वेता दुबे, आदि द्वारा संबोधित किया गया, म. प्र. महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल जी द्वारा आपने उद्बोधन में कहा गया

कि यह आरक्षण महिलाओं के राजनीतिक सामाजिक और आर्थिक स शक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महिला आरक्षण विधेयक जो संसद ओर राज्य समओं में महिलाओं को 33%आरक्षण देने का प्रावधान करता है, इसे पारित करने हेतु कोई कार्यवाही न करना महिलाओं के साथ किया जा रहा एक छलावा है, जो हमें स्वीकार नहीं। इसके क्रियान्वयन में किसी प्रकार की देरी न की जाए और इसे आगामी लोकसभा चुनाव से पहले प्रभावी किया जाए साथ ही वंचित वर्ग की महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु पिछड़ा वर्ग , अनुसूचित जाति जनजाति के लिए भी आरक्षण सुनिश्चित किया जाए, महिलाएं देश की आधी आबादी है और उनकी भागीदारी के बिना लोकतंत्र अधूरा है। यदि सरकार वास्तव में महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है तो उसे इस विधेयक को जल्द से जल्द लागू करना चाहिए। हमें अपने संवैधानिक अधिकारों की रक्षा हेतु आंदोलन के लिए बाध्य न किया जाए। महिला आरक्षण विधेयक को तुरंत लागू किया जाए,ताकि महिलाओं को उनकी जनसंख्या के अनुपात में उचित प्रतिनिधित्व मिले। संगोष्ठी में कमलेश यादव (अध्यक्ष) द्वारा आभार व्यक्त किया गया , संगोष्ठी का संचालन इंदिरा पाठक तिवारी द्वारा किया गया। संगोष्ठी में मुख्य रूप से राखी रज्जू सराफ, सुधा जैसवाल,तबस्सुम , अनीता पटेल, निर्मला खान्ना, ज्योति महतो, शबनम, अनीता बिरहा, तारा चौधरी, ममता तिवारी, सीमा तिवारी, संगीता मिश्रा , मालती यादव, सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थित थी।

स्कूल मान्यता की जाए रद्द, संचालक के विरुद्ध हो कठोर कार्यवाही

सनातन एकता मंच ने सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सनातन एकता मंच के द्वारा मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें भगवान श्रीराम जी के लिए अभद्र शब्दों का उपयोग किये जाने वाले व्यक्ति पर दंडात्मक कार्यवाही एवं स्कूल की मान्यता खत्म किये जाने की मांग की गई है। इस संबंध में सनातन एकता मंच के विकास शुक्ला, डॉ संजय असाटी, सुरेंद्र शुक्ला, राजू तिवारी, डॉ योगराज यादव, विनय दाहिया, राहुल तिवारी, मोहित दुबे, डॉ जयंत गिरधर, शुभम यादव, अमर पटेल, नवीन जेठानी, जितेश डागौर, गौरव, दीपक पटेल, जितेंद्र रजक, विवेक अवस्थी आदि ने बताया कि विगत दिवस विजय नगर स्थित जॉय स्कूल के संचालक अखिलेश मेबन द्वारा भगवान श्रीराम के लिए अभद्र शब्दों का प्रयोग किया गया है, जिससे सभी सनातन प्रेमी आहत व आक्रोशित हैं, जिसको लेकर उन्होंने धार्मिक भावना आहत करने वाले ऐसे प्रिंसपल के खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही करने सहित स्कूल की मान्यता रद्द करने की मांग की गई है, ताकि दोबारा कोई भी इस तरह का कृत्य न कर सकें।

बार-बार काम में आती है बाधा? सोते समय तकिए के नीचे रखें ये चीज, बन जाएंगे सारे काम

वास्तु के अनुसार सोते समय कुछ खास चीजें तकिये के नीचे रखने से घर में सुख-समृद्धि आती है. आइए जानते हैं वास्तु से जुड़े इन उपायों के बारे में जिन्हें आसानी से आजमा सकते हैं. वास्तु शास्त्र में ऊर्जा का खास महत्व होता है. वास्तु के अनुसार घर में रखी हर चीज में एक सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा होती है जिसका प्रभाव घर के सदस्यों पर पड़ता है. अगर लाख कोशिशों के बाद भी जीवन में सफलता नहीं मिल रही है या फिर आपके काम में बार-बार बाधा आती है तो आप वास्तु शास्त्र के कुछ खास टिप्स अपना सकते हैं. वास्तु के ये सारे उपाय आपके घर में ही मौजूद हैं. वास्तु के अनुसार सोते समय कुछ खास चीजें तकिये के नीचे रखने से घर में सुख-समृद्धि आती है. आइए जानते हैं वास्तु से जुड़े इन उपायों के बारे में.

साबूत मूंग के खास उपाय

मंगलवार की रात में मूंग दाल को किसी हरे रंग के कपड़े में बांधकर तकिये के नीचे रखकर सो जाएं. सुबह उठकर इसे किसी कन्या को देना करे दें या मंदिर में दुर्गा माता के चरणों में रख आएं. ऐसा करने से बुध का अशुभ प्रभाव दूर होता है और करियर में तरक्की मिलती है.इस उपाय से पति-पत्नी के संबंध भी मधुर होते हैं.

लोहे की गोलियां

अगर आपका समय अच्छा नहीं चल रहा है या फिर आपको रात में डरावने सपने आते हैं तो तकिए के नीचे लोहे की गोलियां रखें. लोहे की गोलियां ना मिलें तो आप इसकी जगह लोहे की चाबी या कोई छोटी कैंची भी रख सकते हैं. इससे राहु, केतु का बुरा प्रभाव दूर होता है और जीवन से नकारात्मकता दूर होती है.

तकिए के नीचे रखें गीता या सुंदरकांड

वास?तु के अनुसार सोते समय तकिये के नीचे गीता या सुंदरकांड रखना बहुत लाभकारी होता है. इससे मन शांत रहता है और व्यक्ति के अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है. वास्तु के ये उपाय करने से दिन भर ताजगी बनी रहती है और आप कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं. इस वास्तु टिप्स से जीवन में लाभ और उन्नति मिलती है.

राहु दोष दूर करती है मूली

वास्तु शास्त्र के अनुसार मूली को रात में तकिये के नीचे रखकर सोना अच्छा माना जाता है. सुबह मंदिर जाकर इस मूली को शिवलिंग पर चढ़ाने से राहु का दोष दूर होता है. इस उपाय से काम में बार-बार आ रही बाधा दूर हो जाती है.

सिंदूर की डिब्बी

सोमवार के दिन तकिए के नीचे सिंदूर की छोटी से डिब्बी रखकर सोना लाभकर उपाय है. अगले दिन इस सिंदूर को हनुमानजी को अर्पित कर दें. यह उपाय करने से क्रूर मंगल का प्रभाव दूर होता है और आप कार्यक्षेत्र में प्रगति करते हैं.

बिस्तर पर बैठकर खाना खाने से बढ़ता है कर्ज, जानें वास्तु के ये नियम

वास्तु शास्त्र में बिस्तर पर बैठकर भोजन करने की मनाही होती है. अगर आप भी ऐसा करते हैं तो इसे आज ही बंद कर दें. आइए जानते हैं भोजन से जुड़े वास्तु के नियम.

वास्तु शास्त्र में हर चीज के लिए एक खास नियम बनाया गया है. कई ऐसी चीजें हम लोग जाने-अनजाने कर देते हैं जो वास्तु दोष का कारण बनती हैं. इसका सीधा असर हमारी जिंदगी पर पड़ता है. इन वास्तु दोष से परिवार के सदस्यों की आर्थिक समृद्धि, सफलता और तरक्की रूक जाती है.वास्तु में सुबह उठने के समय से लेकर खाने-पीने के तक के लिए भी निश्चत नियम बताए गए हैं, जिनका ध्यान रखना बहुत जरूरी है. वास्तु शास्त्र में बिस्तर पर बैठकर भोजन करने की मनाही होती है. अगर आप भी ऐसा करते हैं तो इसे आज ही बंद कर दें. आइए जानते हैं कि बिस्तर पर बैठकर खाना खाने से क्या नुकसान हो सकते हैं.

बिस्तर पर बैठकर क्यों नहीं करना चाहिए भोजन

कई लोगों की आदत होती है बिस्तर पर बैठकर खाना खाने की है. ये लोग अपने बेडरूम में बिस्तर पर ही बैठकर भोजन करते हैं. वास्तु के अनुसार बेड पर बैठकर खाना खाने से ना सिर्फ सेहत खराब होती है बल्कि आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ता है. वास्तु शास्त्र के अनुसार बिस्तर पर बैठकर खाने-पीने से मां लक्ष्मी रुष्ट हो जाती हैं और वह उस घर में कभी नहीं आती हैं.जिस घर में लोग बिस्तर पर बैठकर खाना खाते हैं वहां दरिद्रता का वास हो जाता है. घर में अशांति फैलती और घरवालों के ऊपर कर्ज चढ़ता है. बिस्तर पर बैठकर खाना खाने से धनहानि का भी सामना करना पड़ता है.

वास्तु के अनुसार भोजन करने के नियम

वास्तु के अनुसार हमेशा जमीन में बैठकर पलथी मार कर आराम से भोजन करना चाहिए. अगर आप नीचे नहीं बैठ सकते हैं तो डाइनिंग टेबल पर बैठ कर खाएं लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि खाने की थाली बैठने के स्थान से ऊपर हो.

माना जाता है कि इससे धन का नुकसान नहीं होता है. वास्तु के अनुसार भोजन हमेशा पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके ही करना चाहिए. किचन में जूठे बर्तनों को भी नहीं छोड़ना चाहिए. इसे मां अन्नपूर्णा का अपमान माना जाता है. हमेशा रात में ही बर्तनों को धो लेना चाहिए, इससे धन की हानि नहीं होती है.

कलियुग में मनुष्यों की कमाई सबसे ज्यादा कहां खर्च होगी, पैसों से जुड़ीं विष्णु पुराण की ये भविष्यवाणियां सौ प्रतिशत हो चुकी हैं सच

विष्णु पुराण में कलियुग के बारे में ऐसी भविष्यवाणियां बताई गई हैं, जो आज पूरी तरह से सच हो चुकी हैं। खासकर पैसों से जुड़ीं भविष्यवाणियां सच हो चुकी हैं। आप इन भविष्यवाणियों को हर रोज सच होते हुए देख सकते हैं।विष्णु पुराण में धार्मिक सिद्धांतों का वर्णन किया गया है। साथ ही इसमें बताया गया है कि प्रकृति चक्र, देवताओं की उत्पत्ति, मन्वन्तर और कल्प क्या-क्या विष्णु पुराण में प्रकृति और युग बीतने के साथ क्या-क्या बदलाव आने वाले हैं, इसके बारे में भी बताया गया है। जैसे, विष्णु पुराण में कलियुग की चरम सीमा में क्या-क्या होगा, इसकी भविष्यवाणी भी की गई है। सबसे खास बात यह है कि विष्णु पुराण में कलियुग से जुड़ीं जो भी बातें लिखी गई हैं, वे आज सच होती नजर आ रही हैं।

कलियुग में लोगों की कमाई कहां खर्च होगी

विष्णु पुराण की भविष्यवाणी के अनुसार लोग दान करने के बजाय घर बनाने पर ध्यान देंगे। वे जमीन खरीदने में पैसा खर्च करेंगे। जमीन ही उनकी सबसे बड़ी संपत्ति होगी। कलियुग में मनुष्य जो भी कमाएगा, उसका पूरा धन घर बनाने में ही खर्च हो जाएगा, ऐसा कहा गया है। इसका मतलब है कि लोग घर बनाने को ही सब कुछ मान लेंगे।

कलियुग में पैसों को समझा जाएगा सबसे बड़ी शक्ति

विष्णु पुराण में लिखी भविष्यवाणी के अनुसार कलियुग में पैसों को ही सबसे बड़ी शक्ति समझा जाएगा। , जिसके पास भी ज्यादा पैसा होगा, उसका घमंड भी बढ़ेगा। लोग धनवान को सबसे शक्तिशाली समझेंगे। लोग पैसे के नशे में चूर होकर खुद को सबसे ऊपर समझेंगे। गरीब लोगों को दबाया जाएगा और समाज में उनकी कोई इज्जत नहीं करेगा।

कलियुग में देवताओं की तरह पूजे जाएंगे ऐसे लोग

विष्णु पुराण की भविष्यवाणी के अनुसार भविष्य में अमीर लोगों को देवताओं की तरह पूजा जाएगा। लोग धन को ही सब कुछ मानेंगे और गरीब लोगों को नीचा समझेंगे। धनवान लोग इस तरह से देवता बन जाएंगे कि उनकी बुरी आदतों को भी उनका शौक समझा जाएगा। लोग धनवान व्यक्तियों के अपराध को भी न्यायोचित ठहरा देंगे।विष्णु पुराण के अनुसार, कलियुग में धन सबसे महत्वपूर्ण हो जाएगा। लोग सिर्फ पैसा कमाने के बारे में सोचेंगे। समाज में हर चीज पैसे से तय होगी। शिक्षा का महत्व भी बदल जाएगा। शिक्षा का उद्देश्य अच्छे संस्कार देना नहीं होगा.बल्कि, शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ पैसा कमाना होगा। कलियुग में मनुष्य का उद्देश्य केवल पैसा ही होगा।

क्या कहते आपके सितारे

मेष मेष- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। यदि कोई समस्या लंबे समय से चली आ रही थी, तो वह दूर होगी। संतान को किसी नई नौकरी की प्राप्ति होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपने यदि किसी से कोई कर्जा लिया था, तो वह भी काफी हद तक पूरा होगा। किसी अजनबी पर आप भरोसा न करें, नहीं तो नुकसान हो सकता है। आपकी यदि कोई संपत्ति संबंधित डील अटकी हुई थी, तो वह भी फाइनल हो सकती है।

वृषभ वृषभ- आज का दिन आपके लिए मुश्किलों भरा रहने वाला है। काम को लेकर यदि कोई समस्या चल रही थी, तो वह दूर होगी। आपको किसी प्रकार की कोई एलर्जी या इन्फेक्शन था, तो वह लापरवाही से बढ़ सकता है। घर परिवार में भी आपसे लड़ाई झगड़े बढ़ेंगे, जिसमें आप दोनों पक्षों की सुनकर कोई बात कहें। आपको अपने लेनदेन से संबंधित मामलों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है।

मिथुन मिथुन- आज का दिन व्यवसाय कर रहे लोगों के लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। पार्टनरशिप में की गई डील आपको थोड़ी समस्या दे सकती है। आपको अपने पार्टनर पर भरोसा करने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर काम का बोझ थोड़ा अधिक रहेगा। नौकरी बदलने का यदि आप प्रयास कर रहे थे, तो उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आपका कोई लेनदेन से संबंधित मामला आपको परेशान कर सकता है।

कर्क कर्क- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप अपने दिनचर्या को बेहतर रखें। आप कामों को लेकर व्यस्त रहेंगे, लेकिन आप अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों पर भी पूरा ध्यान देंगे। नौकरी में आप अपने बॉस से किसी बात को लेकर उलझ सकते हैं। आपको अपनी जरूरतों पर पूरा ध्यान देना होगा। धार्मिक गतिविधियों पर भी आपका पूरा ध्यान रहेगा।

सिंह सिंह- आज का दिन आपके लिए सुख सुविधाओं को बढ़ाने वाला रहेगा। आपको अपने मन में चल रही उलझनों को दूर करना होगा। आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपनी कला व कौशल से काम करके अधिकारियों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे। आपके कुछ नए विरोधी हो सकते हैं। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। आप किसी कानूनी मामले को लेकर आप थोड़ा परेशान रहेंगे।

कन्या कन्या- आज का दिन आपके लिए सुखद परिणाम लेकर आएगा। भविष्य को लेकर आपको यदि कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। जो युवा रोजगार को लेकर परेशान चल रहे हैं, उन्हें कोई अच्छा अवसर मिल सकता है। व्यवसाय में आपको अपनी निर्णय क्षमता पर भरोसा रखना होगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपके घर किसी पूजा पाठ का आयोजन होने से परिजनों का आना-जाना लगा रहेगा।

तुला तुला- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। योग्यता अनुसार काम मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपके आसपास में यदि कोई वाद विवाद की स्थिति उत्पन्न हो, तो आप उसमें पूरा ध्यान दें। भविष्य को लेकर आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे। नौकरी वाले लोगों के ऊपर काम का बोझ अधिक रहेगा। आपको काम को लेकर थकान अधिक रहेगी।

वृश्चिक वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर बुद्धि व विवेक से काम लेना होगा। यदि कोई काम रुका हुआ था, तो उसे पूरा करने के लिए आपको मेहनत अधिक करनी होगी। आप अपने घर में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देंगे। जीवनसाथी से भी किसी बात को लेकर खटपट होने की संभावना है। आप किसी निर्णय को जल्दबाजी में लेकर समस्या में आ सकते हैं।

धनु धनु- आज का दिन आपके लिए उलझनों भरा रहेगा। आपको अपनी पुरानी गलतियों से कुछ सीख लेने की आवश्यकता है और आप किसी विरोधी की बातों में ना आएं। आप धार्मिक गतिविधियों में भी बढ़-चढकर हिस्सा लेंगे। व्यवसाय से जुड़े लोगों को अपनी वाणी की मधुरता को बनाए रखना होगी। आपका कोई प्रोजेक्ट यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह भी शुरू हो सकता है।

मकर मकर- आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों की अपने साथी से मुलाकात हो सकती है। आपको किसी काम को लेकर यदि टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी और आप किसी प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं। जो आपके लिए अच्छी रहेगी। जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं उनके लिए समय शुभ है। आपको अपनी मेहनत का कार्यक्षेत्र में पूरा फल मिलेगा।

कुंभ कुंभ- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आप किसी पर भरोसा बहुत ही सोच समझकर करें, नहीं तो वह आपके उस भरोसे को तोड़ सकता है। संतान के करियर को लेकर आप परेशान रहेंगे। राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहे लोगों को थोड़ा ध्यान देना होगा, नहीं तो उन्हें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपने यदि बिजनेस में बिना सोचे समझे इन्वेस्टमेंट किया, तो उससे आपको नुकसान होने की संभावना है।

मीन मीन- आज का दिन आपके लिए कुछ नए संपर्कों से लाभ लेकर आएगा। आपको अपनी योग्यता अनुसार काम मिलने से कला क्षेत्र में खुशियां मिलेंगी। आपको अपनी संतान की तरक्की के लिए कुछ नई प्लानिंग करनी होगी। यदि आपके मन में किसी बात को लेकर कोई उलझन चल रही है, तो उसे दूर करने के लिए आप अपने भाइयों से बातचीत कर सकते हैं। आपका बिजनेस पहले से तरक्की करेगा। आपको किसी सहयोगी से काम को लेकर सलाह लेनी होगी।

चिरंजीवी ने शुरू की 'मेगा 157' की शूटिंग

मुंबई। मेगास्टार चिरंजीवी ने अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका संभावित नाम 'मेगा 157' है। अभिनेता ने इस फिल्म के लिए निर्देशक अनिल रविपुडी के साथ मिलकर काम किया है। चिरंजीवी ने उगादी के अवसर पर फिल्म के सेट से कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जो नई शुरुआत का प्रतीक है। फिल्म को अभिनेता वेंकटेश दग्गुबाती ने लॉन्च किया, जिन्होंने पहले फिल्म के क्लैपबोर्ड के साथ पोज दिया और फिर मेगास्टार के साथ गले मिले। चिरंजीवी ने 'मेगा 157' के पूजा समारोह से कई तस्वीरें साझा कीं।

लाइफ Style

अदिति

'गजगामिनी चाल' पर नहीं मिला काम

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी ने बीते साल नेटफ्लिक्स की सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में अपनी गजगामिनी चाल वाले डांस से सबका दिल जीत लिया था। अदिति राव की तारीफ उन लोगों ने भी की थी जिन्हें सीरीज पसंद नहीं आई थी।

डायरेक्टर संजय लीला भंसाली की ये सीरीज काफी सुर्खियों में रही थी। अदिति राव हैदरी को भी सीरीज में निभाए किरदार 'बेबो जान' के लिए खूब तारीफें मिली थीं। लेकिन तारीफों के बाद भी अदिति राव को काम नहीं मिल रहा है। इसका दुखड़ा खुद अदिति राव हैदरी ने बताया है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में हैदराबाद के शाही परिवार की लाडली अदिति राव ने बताया कि तारीफों के बाद भी काम का इंतजार है।

अदिति राव ने हाल ही में फराह खान के ब्लॉग्स में बताया कि भले ही उन्हें हीरामंडी के लिए खूब सराहा गया था लेकिन इसका कोई खास फायदा नहीं हुआ है। क्योंकि किसी ने भी अदिति राव को काम ऑफर नहीं किया है। अदिति बताती हैं, 'हीरामंडी जब रिलीज हुई तो लोगों ने इसकी खूब तारीफ की। लगातार कई दिनों तक लोगों से मैं तारीफें सुनती रहीं। मेरे किरदार को लेकर भी लोग खूब सराहना करते रहे। इसके बाद भी मुझे सीरीज के बाद काम नहीं मिला। सीरीज के बाद से काम का इंतजार रहा। ये काफी बुरा अहसास कराने वाली बात साबित हुई।' अदिति ने इस सीरीज में एक क्रांतिकारी तवायफ का रोल निभाया था।

हॉलीवुड मसाला

डेबोरा ने पहले रखी नई शर्तें...

लॉस एंजिलिस। 27 साल शादी में रहने के बाद साल 2023 में ह्यू जैकमैन और डेबोरा-ली फर्नेस ने तलाक का ऐलान किया था। दोनों के अलग होने की खबरों ने फैंस से लेकर इंडस्ट्री के लोगों को भी हैरान कर दिया था। मगर इस मामले में हैरानी की बात है कि अभी तक दोनों कानूनी तौर पर अलग नहीं हो पाए हैं। जनवरी में, कपल न्यूयॉर्क में तलाक के लिए आवेदन करने से कुछ ही हफ्ते दूर थे मगर इस कहानी में एक नया टर्न आ गया है। अभिनेता की पत्नी का अब मानना है कि इस तलाक से वो अधिक पैसे की 'हकदार' है जितना कि जैकमैन उन्हें देने वाले थे।

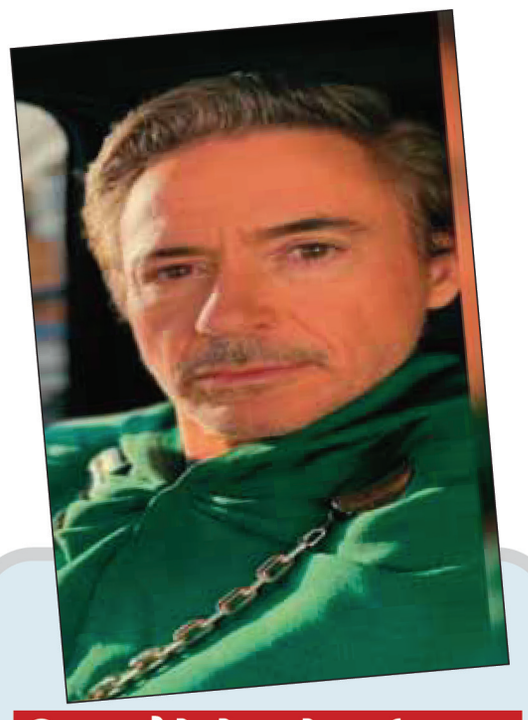

फिर लौटेंगे अवेंजर्स, शुरू हुई 'डूम्सडे' की शूटिंग...

मुंबई। मार्वल फिल्मों के दीवानों के लिए बहुत बड़ा खुशखबरी सामने आई है। 'एवेंजर्स एंडगेम' के बाद इसका अगला भाग 'एवेंजर्स डूम्सडे' आने वाला है, इसकी घोषणा मार्वल स्टूडियो द्वारा की गई। निर्माता ने स्टारकास्टों के नाम का भी खुलासा किया है। मार्वल स्टूडियो ने बीते बुधवार को जानकारी दी कि 'एवेंजर्सः डूम्सडे' फिल्म का निर्माण शुरु हो गया है। इसके साथ ही निर्माता ने कलाकारों के नाम का भी खुलासा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि एमसीयू के कई दिग्गज कलाकार इसमें वापसी कर रहे हैं। इस नए भाग में कैप्टन अमेरिका, बकी बार्न्स, एंट मैन और लोकी के रूप में सभी एवेंजर्स इस भाग में वापस आ गए हैं। हालांकि, आयरन मैन इसमें नहीं नजर आएंगे। एंथनी और जो रूसो द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सुपर विलेन डॉक्टर डूम के रूप में नजर आएंगे।

देश को बड़े खतरे से बचाने निकले...

मुंबई। साउथ स्टार कार्ति की मच अवेटेड फिल्म 'सरदार 2' के मेकर्स ने सोमवार को ईद के मौके पर फैंस को बड़ा तोहफा दिया है। मेकर्स ने सफल जासूसी फिल्म के अगले भाग का आज फर्स्ट लुक और टीजर वीडियो जारी कर दिया गया है। इस फिल्म के जरिए कार्ति एक बार फिर बड़े पर्दे पर तहलका मचाने आ रहे हैं। 'सरदार 2' के मेकर्स ने ईद के मौके पर कार्ति के फैंस का दिन बना दिया है। मेकर्स ने फिल्म का एक टीजर वीडियो जारी किया है, जिसे प्रोलॉग वीडियो बताया है। लगभग तीन मिनट लंबे इस वीडियो में कार्ति जबरदस्त एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। टीजर की शुरूआत में चीनी सेना दिखती है। चीनी सेना एक व्यक्ति से पूछती है कि क्या डेलीगेट अभी भी अंदर है? व्यक्ति कहता है हां, दरवाजा बंद हुए एक घंटा हो चुका है।

साझा की 'थामा' के सेट से तस्वीर...

मुंबई। आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'थामा' की शूटिंग में व्यस्त हैं। ये फिल्म दिनेश विजन और अमर कौशिक के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म के कलाकार अक्सर फिल्म से जुड़ी तस्वीरें अपने सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं। अब अभिनेता आयुष्मान खुराना ने फिल्म की शूटिंग के दौरान की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है। आयुष्मान खुराना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म 'थामा' के सेट से एक तस्वीर साझा की है। ये तस्वीर शूटिंग के वक्त की है। आयुष्मान की तस्वीर में शूटिंग के उपकरण नजर आ रहे हैं, साथ ही सेट पर कई लोग भी दिखाई पड़ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ आयुष्मान ने हैशटैग थामा के साथ लिखा है 'ग्रेवयार्ड शिफ्ट'।

फिर लौटेंगे अवेंजर्स, शुरू हुई 'डूम्सडे' की शूटिंग...

मुंबई। मार्वल फिल्मों के दीवानों के लिए बहुत बड़ा खुशखबरी सामने आई है। 'एवेंजर्स एंडगेम' के बाद इसका अगला भाग 'एवेंजर्स डूम्सडे' आने वाला है, इसकी घोषणा मार्वल स्टूडियो द्वारा की गई। निर्माता ने स्टारकास्टों के नाम का भी खुलासा किया है। मार्वल स्टूडियो ने बीते बुधवार को जानकारी दी कि 'एवेंजर्सः डूम्सडे' फिल्म का निर्माण शुरु हो गया है। इसके साथ ही निर्माता ने कलाकारों के नाम का भी खुलासा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि एमसीयू के कई दिग्गज कलाकार इसमें वापसी कर रहे हैं। इस नए भाग में कैप्टन अमेरिका, बकी बार्न्स, एंट मैन और लोकी के रूप में सभी एवेंजर्स इस भाग में वापस आ गए हैं। हालांकि, आयरन मैन इसमें नहीं नजर आएंगे। एंथनी और जो रूसो द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सुपर विलेन डॉक्टर डूम के रूप में नजर आएंगे।

टीवी मसाला

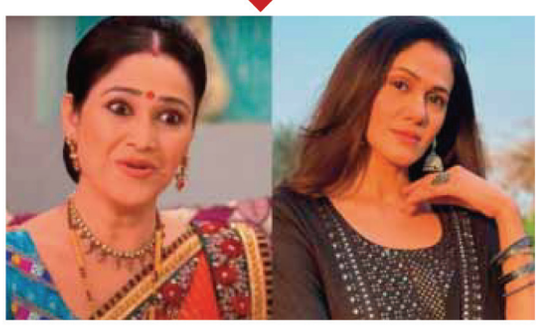

क्या काजल पिसल निभाएंगी दया बेन की भूमिका?

मुंबई। टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' लंबे वक्त से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। इस शो का हर किरदार बेहद खास है और दर्शकों से सीधे तौर पर जुड़ा है। मगर, जेठालाल और दयाबेन की बात ही अलग है। दयाबेन का किरदार अभिनेत्री दिशा वकानी ने बड़ी ही खूबसूरती से अदा किया। साल 2017 में वे मैटरनिटी लीव पर चल गईं। तब से फैंस शो में उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, अब दिशा वापस नहीं आएंगी। शो के निर्माता असित मोदी भी इसकी पुष्टि कर चुके हैं। कहा जा रहा है कि मेकर्स को दिशा का रिप्लेसमेंट भी मिल गया है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि अभिनेत्री काजल पिसल अब 'तारक मेहता' शो में दयाबेन की भूमिका करती दिखेंगी। इस तरह के कयासों पर खुद काजल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे दावों को फेक न्यूज बताया है। काजल ने स्पष्ट किया है कि वे 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में दयाबेन की भूमिका नहीं अदा कर रही हैं। हालांकि, काजल ने यह भी कहा कि उन्होंने शो के लिए ऑडिशन दिया था।

'सुंदरता के चक्कर में गंवाए कई प्रोजेक्ट्स'

मुंबई। करण वाही टेलीविजन के एक मशहूर अभिनेता हैं। वो कई धारावाहिक में नजर आ चुके हैं। हाल ही में करण वाही ने एक खुलासा करते हुए कहा कि ज्यादा सुंदर होने का भी कई बार नुकसान उठाना पड़ जाता है। अभिनेता ने कहा कि सुंदरता के चक्कर में बहुत प्रॉब्लम होती है। आखिर ऐसा क्या हुआ जो एक अभिनेता को इस तरह की बात कहनी पड़ी। करण वाही हाल ही में कॉमेडियन भारती सिंह के पॉडकास्ट में पहुंचे थे। यहां उन्होंने अपने करियर और आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर बात की। इस दौरान करण ने अपने साथ हुए एक वाकये को भी बताया, जिसमें उन्हें सुंदर होने के चक्कर में नुकसान हो गया। अभिनेता ने कहा, "मुझे मुख्य अभिनेता की तुलना में ज्यादा सुंदर होने के कारण कई प्रोजेक्ट्स से हाथ धोना पड़ा है। हालांकि, ये बात मुझे कभी सामने से नहीं बताई गई, बल्कि मुझे दूसरों से इसके बारे में पता चला। मुझे इसके पीछे की सोच कभी समझ में नहीं आती। अगर मैं किसी शो में लीड एक्टर हूं, तो भी मैं उसमें वैल्यू ऐड करूंगा न।

फैंस के बीच फंसे कार्तिक वायरल हो रहा वीडियो...

मुंबई। अभिनेता कार्तिक आर्यन इस समय अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसी बीच उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह भीड़ से गुजरते हुए दिखाई दे रहे हैं। जानिए आखिर क्या हुआ ऐसा कि अभिनेता को फैंस ने घेरा। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कार्तिक आर्यन सड़क पर फैंस के बीच घिरे नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो में अभिनेता अपने प्रशंसकों से तस्वीरें खिंचाते दिख रहे हैं और ऑटोग्राफ भी देते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो गंगटोक का बताया जा रहा है। वहां मौजूद अभिनेता की गाड़ी को सुरक्षाकर्मियों ने घेर रखा है। कुछ देर फैंस से मिलने के बाद वह अपनी गाड़ी में चले जाते हैं। अनुराग बसु के निर्देशन में कार्तिक आर्यन और श्रीलीला अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभी हाल ही में उन्होंने सिलीगुड़ी में शूटिंग समाप्त की है, जिसकी एक तस्वीर दोनों ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की थी, जिसे फैंस द्वारा खूब पसंद किया गया था। इस फिल्म को लेकर चर्चा काफी तेज है। इससे पहले शूटिंग सेट से दोनों की बाइक पर सैर करते तस्वीरें भी वायरल हो चुकी हैं।

'सिकंदर' की ईद पर 26 करोड़ की फीकी कमाई

मुंबई। निर्माता साजिद नाडियाडवाला और निर्देशक ए आर मुरुगादॉस की फिल्म 'सिकंदर' की रिलीज के पहले दिन इसे मिले स्क्रीन्स और शोज की संख्या आप जानेंगे तो हैरान रह जाएंगे। करीब 5500 स्क्रीन्स पर एक साथ रिलीज हुई फिल्म के रविवार को करीब 22 हजार शोज की तैयारी इसके मेकर्स ने की। लेकिन, इतने तामझाम के साथ रिलीज हुई फिल्म 'सिकंदर' का मुकद्दर अच्छा नहीं दिख रहा। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन रात 10 बजे तक सिर्फ 26 करोड़ रुपए की कमाई की। दो सौ करोड़ रुपए में बनी किसी फिल्म के लिए ये ओपनिंग अच्छी शुरुआत नहीं है। सलमान खान की आखिरी फिल्म साल 2023 में रिलीज हुई थी। यशराज फिल्म्स की इस पिक्चर 'टाइगर 3' ने भी रिलीज के पहले दिन अपने बजट का 20 फीसदी कलेक्शन नहीं किया था, लेकिन इसका पहले दिन का कलेक्शन 44.50 करोड़ रुपये था और इसे सम्मानजनक माना जा सकता है।

ओटीटी पर उपलब्ध हैं ये बॉलीवुड-हॉलीवुड की धांसू फिल्में, घूम जाएगा दिमाग...

मुंबई। अप्रैल के पहले सप्ताह पर घरवालों के साथ ओटीटी पर देखिए ये बेहतरीन फिल्में। इस लिस्ट में देवा से लेकर मुफासा तक शामिल हैं। जानिए किस प्लेटफॉर्म पर देख सकेंगे ये शानदार बॉलीवुड-हॉलीवुड फिल्में। तो देर किस बात की इन फिल्मों का वीकेंड पर जमकर मजा लीजिए...

देवा : शाहिद कपूर की फिल्म देवा इस लिस्ट में पहले नंबर पर है। यह फिल्म 31 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म 2013 की मलयालम फिल्म मुंबई पुलिस का रीमेक है। सिनेमाघरों में यह फिल्म फ्लॉप रही थी, लेकिन अब इसे नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया है।

विदुथलाई पार्ट 2 : विजय सेतुपति अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। उनकी फैन फॉलोइंग साउथ के साथ-साथ बॉलीवुड में भी है। विदुथलाई पार्ट 2 में क्रांतिकारी पेरुमल वाथियार की कहानी दिखाई गई है। इस फिल्म को वेत्रिमारन ने डायरेक्ट किया है। पहला पार्ट पहले ही ओटीटी पर आ चुका है और अब इसका दूसरा पार्ट जी5 पर उपलब्ध है।

द लाइफ लिस्ट : द लाइफ लिस्ट एक हॉलीवुड फिल्म है, जिसमें एक युवा लड़की की कहानी है। उसकी जिंदगी अपनी मां एलिजाबेथ की मौत के बाद बदल जाती है। यह 28 मार्च को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है।

डेन ऑफ थीव्स 2 : डेन ऑफ थीव्स 2 एक हॉलीवुड फिल्म है। इसमें धमाकेदार एक्शन देखने को मिलेगा। यह फिल्म भी 28 मार्च को रिलीज हो चुकी है। इसे लायन्सगेट प्ले पर देखा जा सकता है। इस फिल्म में बिग निक ओ ब्रायन का किरदार फिर से नजर आएगा।

मुफासा - द लॉयन किंग : एनिमेटेड फिल्म मुफासा - द लॉयन किंग ने सिनेमाघरों में धूम मचाई थी। अब यह ओटीटी पर उपलब्ध है। डिज्नी ने अपने एक्स हैंडल पर इसकी ओटीटी रिलीज की घोषणा की थी। यह फिल्म 26 मार्च को जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो चुकी है। यह 2019 की फिल्म द लॉयन किंग का प्रीक्वल है।

कपिल ने फैंस को दिखाई अपनी नई फिल्म की झलक...

मुंबई। कॉमेडी के किंग कहे जाने वाले कपिल शर्मा अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। कपिल शर्मा ने अपनी नई फिल्म को लेकर एक बड़ी अपडेट दी है। आज ईद के मौके पर कपिल ने अपनी नई फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया है। ईद के मौके पर कपिल शर्मा ने अपने फैंस को ईदी दी है। कपिल ने अपनी पहली फिल्म 'किस किसको प्यार करूं' के दूसरे भाग 'किस किसको प्यार करूं 2' का पहला पोस्टर आज जारी कर दिया है। इस पोस्टर में कपिल दूल्हे के रूप में नजर आ रहे हैं और उनके साथ दुल्हन के जोड़े में एक लड़की भी खड़ी है। हालांकि, दुल्हन लंबा घूंघट किए हुए है, इसलिए चेहरा नजर नहीं आ रहा है। इस पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए कपिल ने कैप्शन में सिर्फ ईद मुबारक लिखा है। साथ में कुछ इमोजी मेंशन किए हैं।

छत का टुकड़ा गिरने से सो रहा परिवार दबा, महिला की मौत

मृतिका के पति और मासूम बेटी गंभीर रूप से घायल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

दिनभर मजदूरी करने के बाद रात में चैन की नींद सो रहे परिवार पर आरसीसी लेंटर की छपाई का एक बड़ा हिस्सा टूटकर गिर गया। दर्दनाक हादसे में मासूम बेटी के साथ सो रही 'मां' की मौके पर मौत हो गई। बेटी के दोनों पैर में गंभीर चोट आई और पति के सिर व पैर में चोट आई है। घायलों को उपचार के लिए स्थानीय लोगों की मदद से अलग-अलग अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। सूचना पर मौके पर पहुंची गोहलपुर पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद महिला की लाश पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल भेजते हुए आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है। जानकारी के मुताबिक गाजी नगर क्षेत्र में किराए के मकान में मोहम्मद आवेद अंसारी 49 साल अपनी पत्नी साहिन परवीन 45 साल और 8 साल की बेटी सना के साथ रहते हैं। रात करीब 3:30 बजे छत का एक बड़ा हिस्सा परिवार के सदस्यों के उपर गिर गया। एकाएक धमाका और चीख-पुकार की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे पड़ोसियों ने घायलों को मलबे से निकाला। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां महिला साहिन परवीन को मृत घोषित कर दिया गया। दर्दनाक हादसे के बाद आसपास के लोगों में चर्चा है कि गरीब परिवार मजदूरी कर किसी तरह अपना गुजर-बसर कर रहा था। 8 साल की मासूम बेटी के सिर से मां का साया ही उठ गया। इधर घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रिय पार्षद शफीक हीरा मौके पर पहुंचे और उन्होने प्रशासनिक अधिकारियों से बात करते हुए पीड़ित परिवार की हरसंभव मदद करने की बात कही है।

पति अस्पताल में, पत्नी मेडिकल की मरचुरी में

दर्दनाक घटना के बाद बस्ती के लोगों में सुबह से यह चर्चा है कि हादसे में पति और बेटी गंभीर रूप से घायल है। पत्नी की लाश पोस्टमार्टम के लिए मरचुरी में रखी हुई है। महिला के सुपुर्द ए खाक के लिए प्रबुद्धजन चर्चा कर रहे हैं। संभवतः शाम तक मृतिका की बेटी सना अस्पताल से घर आ सके। बेटी के पैरों में चोट है, महिलाओं के बीच चर्चा है कि बेटी सना अपनी मां का चेहरा देख सके, इसलिए कुछ देर के लिए उसे घर लाया जाए।

महिला के प्रेमी को भाई-पति ने मारे चाकू

महिला ने मां से कहा था– मैं शादी करना चाहती हूं; सोशल मीडिया से हुई दोस्ती

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर में रेलवे स्टेशन के बाहर एक युवक पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना उस समय हुई जब युवक स्टेशन से बाहर निकल रहा था। पहले से घात लगाए बैठे दो युवकों ने अचानक उस पर ताबड़तोड़ हमला किया और मौके से फरार हो गए। दरअसल, घायल युवक अपनी प्रेमिका के साथ जयपुर से लौटा था। तभी महिला के पति और भाई ने उस पर ताबड़तोड़ चाकू से वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया । स्थानीय लोगों की मदद से घायल को सिहोरा सिविल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत नाजुक होने के कारण उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। घटना मंगलवार शाम की है, जिसका एक वीडियो भी सामने आया है। फिलहाल घायल युवक का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

महिला से सोशल मीडिया पर हुई थी दोस्ती

घायल युवक का नाम रंजीत कुशवाहा है। वह पनागर का रहने वाला है। प्राइवेट नौकरी करने वाले रंजीत का तलाक होने के बाद कुछ महीने पहले जबलपुर के बेलबाग क्षेत्र में रहने वाली 28 वर्षीय युवती कोमल से सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती हुई। इसके बाद दोनों के बीच फोन पर बातचीत होने लगी। रंजीत ने कोमल को बताया कि उसका पत्नी से अक्सर विवाद होता रहता था, जिसके कारण उसने तलाक लेने का फैसला किया। वहीं, कोमल ने भी बताया कि वह अपने पति के साथ खुश नहीं है, क्योंकि वह अक्सर उसके साथ मारपीट करता है। इसके बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं और जब भी रंजीत जबलपुर आता, तो वह कोमल से मिलता था।

एक सप्ताह पहले जयपुर गए थे

खितौला थाना प्रभारी अर्चना सिंह जाट ने बताया कि एक सप्ताह पहले रंजीत और कोमल जयपुर घूमने गए थे। इस दौरान कोमल ने अपनी मां को फोन कर बताया था कि वह अपने एक दोस्त के साथ जयपुर में है और उससे शादी करना चाहती है। कोमल की मां ने यह जानकारी परिवार को दी, जिसके बाद बेलबाग थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस युवती की तलाश में जुट गई। जांच के दौरान पुलिस ने रंजीत के परिवार से भी संपर्क किया, तो पता चला कि वह भी एक सप्ताह से घर नहीं लौटा है। उसके परिवार वालों ने बताया कि फोन पर हुई बातचीत में उसने खुद को जयपुर में होने की जानकारी दी थी।

स्टेशन से बाहर निकलते ही हमला

मंगलवार शाम को जब रंजीत कुशवाहा कोमल के साथ खितौला रेलवे स्टेशन से बाहर निकला, तभी दो लोगों ने उस पर अचानक हमला कर दिया। हमलावरों ने उसके सीने और पेट पर चार से पांच बार चाकू से वार किया और फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की जानकारी खितौला थाना पुलिस को दी। थाना प्रभारी अर्चना सिंह जाट मौके पर पहुंचीं और गंभीर रूप से घायल रंजीत को इलाज के लिए सिहोरा अस्पताल भेजा। वहां से हालत नाजुक होने के कारण उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना के समय कोमल भी रंजीत के साथ थी।

महिला के पति और भाई ने किया हमला

पुलिस जांच में सामने आया कि रंजीत पर हमला करने वाले आरोपी कोमल के पति रोहित कैथवास और भाई आशू सिंह थे, जो बेलबाग क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस को जानकारी मिली कि रोहित और आशू को पता चल गया था कि कोमल और रंजीत जयपुर से लौट रहे हैं। कोमल ने अपनी मां को बताया था कि वह खितौला स्टेशन पर उतरने के बाद बस से जबलपुर आएगी। यह जानकारी रोहित और आशू को भी मिल गई थी, जिसके बाद उन्होंने पहले से घात लगाकर रंजीत पर हमला किया।

आरोपी फरार, पुलिस कर रही तलाश

रंजीत पर प्राणघातक हमला करने वाले दोनों आरोपी अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। खितौला पुलिस के साथ बेलबाग थाना पुलिस भी उनकी तलाश में जुटी हुई है। जल्द ही दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इधर, रंजीत की हालत नाजुक बनी हुई है।

फ्लाईओवर की रोटरी में टकराया ट्रक

जबलपुर। एलआईसी से महानद्दा की ओर आ रहा तेज रफ्तार एक ट्रक फ्लाईओवर की मदन महल रोटरी में टकरा गया। घटना में ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, गनीमत यह रही कि चालक और परिचालक को चोटें नहीं आईं, वे दोनों बाल-बाल बच गए। जानकारी के मुताबिक आज सुबह करीब 6 बजे ट्रक क्रमांक ओडी 09 के 8355 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ट्रक को फ्लाईओवर की रोटरी में घुसा दिया। अच्छी बात यह थी कि ट्रक ज्यादा तेज रफ्तार में नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। बताया जा रहा है कि चालक को नींद का झोंका आ गया था, इसलिए वाहन अनियंत्रित हो गया और रोटरी में घुस गया। समाचार लिखे जाने तक ट्रक में सुधार कार्य नहीं हुआ था , इसलिए ट्रक वहां पर ही खड़ा था।

घर से सोने-चांदी के जेवर सहित नगदी चोरी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

घर में ताला लगाकर परिवार के साथ छिंदवाड़ा गए 90 क्वार्टर संजीवनी नगर निवासी विपिल पाठक के घर से चोर सोने-चांदी के जेवर सहित नगदी चोरी कर ले गए। पीड़ित की शिकायत पर संजीवनी नगर पुलिस अपराध दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही है। थाना संजीवनी नगर पुलिस को पीड़ित विपिल पाठक ने बताया कि वह छिंदवाड़ा बसंत कालोनी में फायनेंस कम्पनी में प्राईवेट नौकरी करता है। कुछ दिन पहले घर में ताला लगाकर छिंदवाड़ा चला गया था।

ओले-बारिश का अलर्ट:भीपाल-जबलपुर में आंधी चलने के आसार, छिंदवाड़ा- डिंडौरी में पानी गिरा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा और डिंडौरी में बुधवार को पानी गिरा। छिंदवाड़ा के सिंगोड़ी ग्रामीण इलाके में बुधवार सुबह करीब 6 बजे हल्की बारिश हुई। इससे पहले जिले के शहरी भाग में रात को रिमझिम पानी गिरा था। डिंडोरी में भी सुबह हल्की बारिश हुई । वहीं, नर्मदापुरम, खंडवा, नरसिंहपुर समेत 8 जिलों में आज ओले गिरने का अलर्ट है। भोपाल-जबलपुर में तेज आंधी चल सकती है। इसकी रफ्तार 40 से 50 किमी प्रतिघंटा तक रह सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, साइक्लोनिक सकुर्लेशन-टर्फ की वजह से प्रदेश में ओले-बारिश और आंधी का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। मंगलवार को प्रदेश के कई जिलों में बादल छाए रहे तो कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हुई। भोपाल में पूरे दिन बादल रहे। जबलपुर, नीमच, मंदसौर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, उमरिया और कटनी में गरज-चमक, तेज आंधी का असर भी देखने को मिला। दूसरी ओर, कई शहरों में दिन के तापमान में गिरावट हुई है। सिवनी में पारा 30.4 डिग्री सेल्सियस, मलाजखंड में 32.3 डिग्री, पचमढ़ी में 32.4 डिग्री, मंडला में 34.5 डिग्री, सीधी में 34.8 डिग्री और बैतूल में 35 डिग्री रहा। वहीं, धार सबसे गर्म रहा। यहां दिन का पारा 39.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रतलाम में 39.5 डिग्री, नर्मदापुरम में 39.2 डिग्री, गुना-दमोह में 38.5 डिग्री, छतरपुर के खजुराहो में 38.2 डिग्री, शिवपुरी-शाजापुर में 38 डिग्री तापमान रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 37 डिग्री, इंदौर में 37.2 डिग्री, ग्वालियर में 36.6 डिग्री, उज्जैन में 38.4 डिग्री और जबलपुर में पारा 36.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- एक टर्फ दक्षिणी छत्तीसगढ़ से मध्य महाराष्ट्र और विदर्भ-मराठवाड़ा के पास से गुजर रही है। वहीं, साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम भी एक्टिव है। इस वजह से मध्यप्रदेश में ओलावृष्टि, गरज-चमक और बारिश की स्थिति बनी हुई है।

अप्रैल में 7 से 10 दिन चल सकती है लू

मध्यप्रदेश में अप्रैल महीने में मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिलेगा। पहले और दूसरे सप्ताह में हल्की बारिश हो सकती है। दूसरे सप्ताह से लू भी चलेगी। सबसे गर्म आखिरी सप्ताह रहेगा। दिन का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस पार हो सकता है। ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा, इंदौर, उज्जैन और भोपाल में लू भी चल सकती है। मौसम केंद्र भोपाल के वैज्ञानिक निदेशक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया- इस बार तापमान के सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। अप्रैल महीने में 7 से 10 दिन तक हीट वेव यानी लू का असर देखने को भी मिल सकता है।

अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा

मध्यप्रदेश में मार्च से गर्मी के सीजन की शुरूआत हो जाती है। इसी ट्रेंड के अनुसार अगले 3 महीने तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग ने मई तक 15 से 20 दिन हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। अप्रैल-मई में 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है।

अप्रैल-मई में सबसे ज्यादा गर्मी

जिस तरह दिसंबर-जनवरी में सर्दी और जुलाई-अगस्त में सबसे ज्यादा बारिश होती है, उसी तरह गर्मी के दो प्रमुख महीने अप्रैल और मई हैं। इस बार मार्च के दूसरे पखवाड़े में पारा 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। मार्च महीने के आखिरी में ही टेम्प्रेचर बढ़ने लगता है, लेकिन इस बार ऐसा मौसम नहीं रहा। आखिरी 3 दिन वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम की वजह से पारे में गिरावट हुई। अप्रैल के पहले पखवाड़े में मौसम का असर मिला-जुला रहेगा।

जबलपुर में तेज गर्मी का ट्रेंड

जबलपुर की बात करें तो यहां एक बार पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार रहा है। मौसम विभाग के अनुसार 28 अप्रैल 1970 को दिन का तापमान 45.4 डिग्री रहा था। अप्रैल में यहां भी बारिश होने की संभावना रहती है। रिकॉर्ड के अनुसार, 3 अप्रैल 1935 को 24 घंटे के भीतर 50.3 मिमी बारिश हुई थी, जो दो इंच के करीब है। 2023 में 20.2 मिमी बारिश हुई थी। इस साल 19 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा था।

विज्ञापन एवं एजेंसी के लिए संपर्क करें
सिटी ऑफिस- त्रिपुरी भवन, जेडीए योजना क्रं. 18, ब्लाक नं. 9 मेजेनाइन फ्लोर, सिविक सेंटर, जबलपुर।
फोन : 0761-4085321

श्री शुभम् हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर
मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
24 घंटे: आकस्मिक चिकित्सा, सभी विभागों में भर्ती, एम्बुलेंस तथा दवाईयां, पैथोलॉजी तथा एक्सरे
मेडिसिन एवं हृदय रोग, जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, आस्थित रोग, नाक-कान-गला, स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग, न्यूरो तथा स्पाइन, कैंसर, मूत्र रोग विभाग
●पॉईजनिंग ●बर्न यूनिट ●हॉर्ट अटैक ●एक्सीडेंट एवं ट्रॉमा यूनिट
मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार मण्डल के हितग्राहियों हेतु निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध
5 May श्री शुभम् हॉस्पिटल
मदन महल चौक, दशमेश द्वार के पास, नागपुर रोड, जबलपुर
फोन : 0761-4051253, 9329486447

प्रदेश का अग्रणी संस्थान SINCE 1996
ACST Tally PYTHON JAVA C, C++ CPCT
चौपाटी के पास, सिविक सेंटर, जबलपुर मो: 4007077, 9993030707
नए बैच प्रारम्भ 40% छूट

JICS
माखनलाल चतुर्वेदी रा.प.एवं संचार विश्वविद्यालय से संबद्ध
M.Sc PG DCA DCA B.Com BCA TALLY
प्रवेश प्रारंभ
जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर साइंस
अधारताल भारत गैस के बाजू में मेन रोड जबलपुर
PH.:0761-4066631Mo.:9827200559, 9893322108

यश नर्सरी हा. से. स्कूल Estd. 2004
बोर्ड कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ परिणाम के लगातार 15 वर्ष
9वीं /11 वीं फेल/ पास विद्यार्थी सीधे 10वीं/12 वीं फार्म भरें
10th/12th में परसेन्ट बढ़ाने CBSC/ICSE से MP BOARD में एडमीशन पर स्पेशल डिस्काउंट
English & Hindi Medium
बस एंव हॉस्टल सुविधा उपलब्ध
नोटः- हमारे प्रयास से श्रेष्ठ बच्चों के साथ-साथ कमजोर बच्चे भी बेहतर रिजल्ट लाकर दिखाते हैं, इसलिए हम देते हैं बोर्ड परीक्षाओं में शत् प्रतिशत 100% रिजल्ट
गुलाब टावर के सामने, साक्षी बाइक प्वाइंट के बाजू में मानसरोवर कालोनी, अधारताल, जबलपुर
सम्पर्कः- 9303580611, 6263988587,7987974850, 0761-2680811 (समय- सुबहः 8 से शामः4 तक)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, एन.एम. पब्लिकेशन प्रा. लि., उखरी चौक, एम.आर.-4 रोड, जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित ।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com